सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-357

पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

साहस के साथ समस्याओं से उलझने वाले ही, समस्याओं का समाधान करते हैं।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शुक्रवार 04 अप्रैल 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

‘शहर सरकार’ का हिसाब-किताब : नगर निगम का 2025-26 का बजट, 8302.46 करोड़ रुपए की आय और 8232.26 करोड़ रुपए का खर्च,बजट में राहत ही राहत, न कोई नया कर और न ही किसी कर में हुई बढ़ोतरी, स्वच्छता, इन्फ्रास्ट्रक्चर और डिजिटल सेवाओं पर फोकस

शहर के हर घर का होगा डिजिटल पता

डिजिटल कचरा कलेक्शन सिस्टम लागू होगा

इंदौर। इंदौर नगर निगम का बहुप्रतीक्षित बजट 2025-26 महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने गुरुवार को पेश किया, जिसमें शहरवासियों के लिए कई राहत भरी घोषणाएं की गईं। इस बजट में न तो कोई नया कर लगाया गया है और न ही किसी कर में बढ़ोतरी की गई। महापौर ने साफ किया कि 100 करोड़ रुपए के फर्जी बिल घोटाले में शामिल आरोपी जेल में हैं और जांच एजेंसियों के माध्यम से इस नुकसान की भरपाई कराई जाएगी। बजट में इस साल नगर निगम का खुद का डिजिटल पोर्टल शुरू करने की घोषणा की गई है, जिससे प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और तेजी आएगी। जोमाटो की तर्ज पर डिजिटल कचरा कलेक्शन सिस्टम लागू किया जाएगा, जिसमें लोग मोबाइल एप के जरिये अपने घर से कचरा उठवाने के लिए गाड़ी बुक कर सकेंगे। नए बजट में 8302.46 करोड़ रुपए की आय और 8232.26 करोड़ रुपए के खर्च का अनुमान जताया गहया है। शहर में स्वामी विवेकानंद की 39 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित की जाएगी, जो युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। साथ ही, नगर निगम अपने नए भवन के निर्माण के लिए 350 करोड़ रुपये का लोन लेगा। बजट सत्र की शुरुआत होते ही नेता प्रतिपक्ष ने निगम में भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया और महापौर से जवाब मांगा। इसके बाद कांग्रेस पार्षदों ने हंगामा किया, जो 15-20 मिनट तक चला। बाद में महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बजट भाषण प्रस्तुत किया। इस दौरान मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, तुलसी सिलावट, विधायक महेंद्र हार्डिया और निगम के नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे मौजूद रहे। मंत्री सिलावट ने महापौर को बजट पेश करने से पहले माला पहनाकर सम्मानित किया। बजट में जनकार्य विभाग के लिए 2,000 करोड़ रुपये का सबसे बड़ा आवंटन किया गया है। मनोरंजन कर से इस साल 5-10 करोड़ रुपये की आय होने की संभावना जताई गई है।

-नगर निगम की सेवाओं को डिजिटल किया जाएगा ताकि लोग घर बैठे ही जरूरी काम कर सकें।

-ऑनलाइन टैक्स भुगतान, शिकायत निवारण और अन्य सुविधाओं को और आसान बनाया जाएगा।

-जोमाटो की तर्ज पर डिजिटल कचरा कलेक्शन सिस्टम लागू किया जाएगा

-मोबाइल एप के जरिये अपने घर से कचरा उठवाने के लिए गाड़ी बुक कर सकेंगे लोग,150 चौराहों पर फ्री वाई-फाई सुविधा

-अपने नए भवन के निर्माण के लिए 350 करोड़ रुपए का लोन लेगा नगर निगम

-शहर में स्वामी विवेकानंद की 39 फीट ऊंची प्रतिमा स्थापित की जाएगी, जो युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

-जनकार्य विभाग के लिए 2,000 करोड़ रुपए का सबसे बड़ा आवंटन

-मनोरंजन कर से इस साल 5-10 करोड़ रुपए की आय होने की संभावना

- 33 नई सड़कें बनेंगी, हर विधानसभा क्षेत्र में एक आदर्श सड़क विकसित की जाएगी, हर वार्ड में खुलेगी योग शाला

28 प्रमुख चौराहों के लेफ्ट टर्न चौड़े किए जाएंगे

बजट में 28 प्रमुख चौराहों के लेफ्ट टर्न चौड़े करने, 15 करोड़ रुपये की लागत से हॉकर्स जोन विकसित करने और धार रोड-चंदन नगर-एयरपोर्ट को जोड़ने वाले ब्रिज के निर्माण की घोषणा की गई है। इसके अलावा, हर विधानसभा क्षेत्र में एक आदर्श सड़क विकसित करने की बात कही गई है। इस साल निगम ने 1 हजार करोड़ का राजस्व मिला है। इस बार बजट में सड़क निर्माण पर ज्यादा फोकस रहेगा। तीन साल बाद उज्जैन में लगने वाले सिंहस्थ मेले के मद्देनजर शहर में कई मार्गों को जोड़ा जाएगा। इंदौर में 30 से ज्यादा मास्टर प्लान प्रस्तावित हैं, जिनके तहत सड़कें चौड़ी होंगी। इस प्रोजेक्ट पर ही डेढ़ हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे।

कचरा कलेक्शन में डिजिटल तकनीक

महापौर ने इंदौर को डिजिटल सिटी के रूप में डेवलप करने का आश्वासन दिया। कहा, कचरा कलेक्शन में डिजिटल तकनीक का उपयोग कर रहे हैं। शहरवासी जोमेटो और रैपिडो की तरह कचरा कलेक्शन की गाड़ी बुला सकेंगे। इसके लिए एप डेवलप बनाया जा रहा है।

नर्मदा के चौथे चरण के लिए बड़ी राशि

नर्मदा के चौथे चरण के लिए भी बजट में बड़ी राशि रखी जाएगी। जलूद में नगर निगम सोलर प्लांट लगा रहा है। इसके अलावा, चौथे चरण के लिए पाइप लाइन भी बिछाई जाएगी। इस साल इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू होगा। शहर में 38 नए टंकियों का निर्माण होगा। नगर निगम सीमा में शामिल 29 गांवों में सीवरेज और ड्रेनेज लाइन के काम होना है। राज्य सरकार ने भी इसके लिए राशि जारी की है। 300 करोड़ रुपये इस पर खर्च होंगे। सफाई के लिए संसाधनों की खरीदी के लिए भी स्वास्थ्य विभाग मद में पिछले साल की तुलना में ज्यादा बजट रहेगा।

नगर निगम बजट में ये हैं खास प्रस्ताव

-130 करोड़ रुपए की लागत से मास्टर प्लान की 10 नई सड़कें बनाई जाएंगी।

-न्यायालय के आदेश के बाद निगम को मिली धोबी घाट की 7 एकड़ जमीन को विकसित किया जाएगा।

-वेस्ट टू चारकोल योजना पर काम करते हुए आरडीएफ से चारकोल बनाकर हरित ईंधन बनाया जाएगा।

-सालिड वेस्ट मैनेजमेंट के लिए 200 टीपीडी का नया प्लांट लगाया जाएगा।

-शहर में संपत्तियों का जीआई सर्वे कराया जाएगा।

-हर विधानसभा क्षेत्र में दो-दो चौराहों का सौंदर्यीकरण किया जाएगा।

-हर विधानसभा क्षेत्र में एक मुख्य मार्ग को सर्वसुविधा युक्त आदर्श मार्ग के रूप में विकसित किया जाएगा।

-इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए 500 करोड़ रुपये बांड जारी किए जाएंगे।

-छोटी सड़कों पर 500 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

-11 करोड़ रुपए की लागत से 10 स्थानों पर पुल-पुलियाओं का निर्माण किया जाएगा।

-जिला अस्पताल से सिरपुर तक 50 करोड़ की लागत से पुल बनाया जाएगा।

-यूरेशियन गार्डन की तर्ज पर प्रत्येक जोन में एक आदर्श गार्डन बनेगा, प्रत्येक वार्ड में आदर्श ग्लोबल गार्डन बनाएंगे।

100 एकड़ का लैंड बैंक

दो सालों में नगर निगम ने 100 एकड़ का लैंड बैंक बनाया है। मेयर ने कहा कि लैंड बैंक में कर्बला मैदान की जमीन भी निगम के नाम पर हुई है। ड्रेनेज घोटाले पर मेयर ने कहा कि आरोपी जेल में हैं। इस सिस्टम में जिसने गड़बड़ की है, जिसने पैसे निकालने का काम किया। उनके 100 करोड़ से ज्यादा का बिल रोक कर रखा है। उस राशि से घोटाले के पैसे को वसूला जाएगा।

पचास साल तक काम आएगा पोर्टल

मेयर ने कहा कि नगर निगम ने ऑनलाइन टैक्स भरने वन्य सुविधाओं के लिए अपना एक पोर्टल बनाया है। यह पोर्टल दो माह में काम शुरू कर देगा। अगले 50 साल तक यह पोर्टल नगर निगम के काम आएगा। शहर को डिजिटल सिटी बनाने के लिए नगर निगम खुद का पोर्टल और एप बनाएगा। निगम की सुविधाएं और सेवाएं पाकेट फेंडली बनाने पर जोर रहेगा। इंदौर के हर घर का डिजिटल पता उपलब्ध कराया जाएगा। पायलेट प्रोजेक्ट के रुप में वार्ड 82 में यह काम शुरू हो चुका है।

खंडवा में बड़ा हादसा

गणगौर विसर्जन के लिए कुआं साफ करने उतरे 8 लोगों की मौत

खंडवा। खंडवा जिले में गणगौर उत्सव के दौरान बड़ा हादसा हो गया। यहां गणगौर मैया के विसर्जन के लिए गांव के कुएं की सफाई करने उतरे आठ लोगों की मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण भी कुंए के आसपास जमा हो गए। हादसा जिले के छैगांव माखन तहसील में आने वाले कोंडावत गांव में हुआ है। बताया जा रहा है कि गणगौर विसर्जन से पहले गांव के कुएं को साफ करने करीब पांच लोग उतरे थे, पर काफी देर तक जब वे वापस नहीं आए तो तीन लोग और उन्हें तलाशने कुएं में उतरे, पर वो भी नहीं लौट सके। बाद में लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर छैगांव माखन थाने की पुलिस टीम पहुंची। उन्होंने एंबुलेंस एवं क्रेन बुलवाई और लोगों की तलाश शुरू की गई। सात लोगों के शव निकाल लिए गए, आठवें की तलाश के लिए काफी मशक्कत करना पड़ी। सवा आठ बजे आठवें शव को भी निकाल लिया गया।

जहरीली गैस की आशंका कलेक्टर ऋषभ गुप्ता ने बताया कि शाम करीब 4 बजे घटना की सूचना मिली थी। बताया जा रहा है कि गणगौर की मूर्तियों के विसर्जन के लिए कुएं में सफाई करने पांच लोग कुएं में उतरे थे। प्रथमदृष्ट्या कुएं में गैस बनी होगी, जिससे वे बाहर नहीं आ सके। उन्हें बचाने तीन लोग बाद में कुएं में उतरे। दुर्भाग्यवश वे भी बाहर नहीं आ सके। सूचना पर पुलिस, एनडीआरएफ, होमगार्ड की टीम मौके पर पहुंची और लोगों को निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं। कुछ शव निकाले गए हैं, उन्हें अस्पताल भेजा गया है जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया की जाएगी।

इन लोगों की हुई मौत हादसे में जो लोग मारे गए हैं, उनकी पहचान राकेश पिता हरी, वासुदेव पिता आशाराम, गजानंद पिता गोपाल, मोहन पिता मंशाराम, अजय पिता मोहन, शरण पिता सुखराम, अनिल पिता आत्माराम सभी जाति कुन्बीपटेल निवासी कोंडावत के रूप में की गई है। अर्जुन पिता गोविंद का शव करीब आठ बजे निकाला जा सका।

सीएम ने जताया शोक घटना पर सीएम डॉ. मोहन यादव ने भी शोक जताया है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि खंडवा जिले अंतर्गत छैगांवमाखन क्षेत्र के कोंडावत गांव में एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना में गणगौर विसर्जन के लिए कुएं की सफाई हेतु उतरे एक व्यक्ति के दलदल में फंसने पर बचाने के प्रयास में एक के बाद एक कुएं में उतरे अन्य सात व्यक्ति भी अंदर फंस गए, कुएं में जहरीली गैस से दम घुटने के कारण सभी आठ व्यक्तियों के काल कवलित होने का दुखद समाचार प्राप्त हुआ है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस, प्रशासन, होम गार्ड्स एवं एसडीईआरएफ की टीम द्वारा जॉइंट रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया।

बनासकांठा पटाखा फैक्टरी हादसा: नेमावर घाट पर हुई देवास जिले के 10 और हरदा जिले के 8 मजदूरों की अंत्येष्टि

एक साथ जली 18 चिताएं, हर आंख नम, मची चीख-पुकार

देवास। गुजरात के बनासकांठा जिले में मंगलवार को एक पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट ने 21 लोगों की जान ले ली थी। मृतकों में मध्यप्रदेश के देवास जिले के 10 और हरदा जिले के 8 लोग शामिल थे। गुरुवार को इन 18 मजदूरों का अंतिम संस्कार एक साथ देवास जिले के नेमावर घाट पर नर्मदा नदी के किनारे किया गया। तीन अन्य शवों की शिनाख्त अभी तक नहीं हो पाई है, जिनकी पहचान डीएनए टेस्ट के जरिये की जाएगी। इस दौरान परिजनों ने इंसाफ की मांग उठाई, वहीं प्रशासन ने जांच का भरोसा दिया।

नर्मदा नदी के तट पर जब एक साथ 18 चिताएं जलीं, तो चारों ओर चीख-पुकार मच गई। हर आंख नम थी और हर दिल गमगीन। मृतकों के परिजनों ने अंतिम संस्कार की रस्में निभाई, लेकिन उनके जख्म गहरे हैं। देवास और हरदा जिला प्रशासन ने अंतिम संस्कार के लिए सभी व्यवस्थाएं की। इस मौके पर प्रशासनिक अधिकारी और

जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। हादसे में अपनों को खोने वाले परिजनों ने सरकार से इंसाफ और उचित मुआवजे की गुहार लगाई। मरने वालों में 5 से 8 साल के बच्चे भी शामिल हैं।

परिजनों का दर्द...इंसाफ चाहिए मृतक बबीता के बेटे अमर ने रोते हुए कहा कि मेरा सब कुछ चला गया। इस घटना में मेरी मां और एक भाई की मौत हो गई, जबकि मेरे दूसरे भाई का अभी तक पता नहीं चला। मुझे इंसाफ चाहिए। वहीं, मृतकों के एक अन्य परिजन शिवलाल ने बताया कि इस हादसे में मेरी दो बहनें, एक भाई और तीन भतीजे चले गए। मेरे जीजा अभी गुजरात में ही हैं और रो-रोकर उनका बुरा हाल है।

पहले गांव ले गए फिर घाट पर हुआ अंतिम संस्कार अंतिम संस्कार से पहले देवास जिले के 9 मजदूरों के शव उनके पैतृक गांव संदलपुर पहुंचाए गए, जबकि ठेकेदार पंकज का शव खातेगांव लाया गया। हरदा जिले के हंडिया गांव के 8 शव सीधे गुजरात से नेमावर घाट लाए गए। दोनों जिलों के कलेक्टरों ने बताया कि शवों को सम्मानपूर्वक लाने और अंतिम संस्कार की व्यवस्था के लिए प्रशासन ने पूरी मदद की।

इंदौर में आइस बॉक्स में रखे गए थे शव शवों को लेने पुलिस-प्रशासन टीम के साथ मंत्री नागर सिंह गुजरात गए थे। बुधवार सुबह देवास के 10 मजदूरों के शव उनके पैतृक गांव के लिए रवाना किए गए। बाकी शव पोस्टमॉर्टम के बाद भिजवाए गए। खातेगांव और संदलपुर के लिए गुजरात से आ रहीं सभी एम्बुलेंस और उनके साथ चल रहे गुजरात प्रशासन की ओर से अश्विन सिंह राठौर, नायब तहसीलदार और उनकी टीम शाम 6 बजे दाहोद से निकलने की तैयारी में थी। इसी बीच एक एम्बुलेंस में तकनीकी खराबी आ गई। इसके बाद एम्बुलेंस बदली गई और शवों को रवाना किया गया। देवास जिले में एक साथ इतने शवों को आइस बॉक्स में रखने की सुविधा नहीं है। इसलिए सभी शवों को इंदौर एमवाय अस्पताल की मॉर्चुरी में रखा गया। गुरुवार सुबह इंदौर से शवों को संदलपुर ले जाया। परिजन ने अंतिम दर्शन किए।

इंदौर में 27 अप्रैल को आईटी कॉन्क्लेव, 200 कंपनियां आएंगी

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में 27 अप्रैल को आईटी कॉन्क्लेव का आयोजन होने वाला है। मुख्यमंत्री डॉ. सीएम मोहन यादव ने इसके लिए तैयारियां करने को कहा है और आईटी कॉन्क्लेव के लिए देश की बड़ी आईटी कंपनियों को बुलाने के लिए कहा गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार एक दिनी आईटी कॉन्क्लेव का आयोजन किया जाएगा। इसमें देश-विदेश की महत्वपूर्ण आईटी और इससे जुड़ी सेवाएं देने वाली कंपनियों को न्योता भेजा जा रहा है। प्रदेश सरकार के अफसर व्यक्तिगत रूप से कंपनी प्रतिनिधियों से संपर्क कर रहे हैं,

ताकि कॉन्क्लेव में ज्यादा से ज्यादा आईटी कंपनियों की सहभागिता हो सके।

इंदौर में होने वाले आईटी कॉन्क्लेव का आयोजन कहां और किस स्वरूप में होगा यह अभी तय नहीं हुआ है। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि यह कॉन्क्लेव इंदौर में ब्रिलियंट कन्वेशन सेंटर में आयोजित किया जाएगा। इस आईटी कॉन्क्लेव में आईटी कंपनियां, आईटी से जुड़े स्टार्टअप, एआई, सेमीकंडक्टर और प्रॉपर्टी से जुड़ी कंपनियों को निमंत्रण भेजा जाएगा। बताया जा रहा है कि आईटी कॉन्क्लेव में देश-विदेश की लगभग 200 कंपनियां हिस्सा लेंगी। बता दें कि हाल ही में भोपाल में ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट का आयोजन हुआ था। यह दूसरी बार था जब जीआईएस का आयोजन इंदौर से बाहर किया गया था। उस समय इंदौर के औद्योगिक और व्यापारिक संगठनों का मानना था कि समिट को भोपाल में करने के फैसले से इंदौर की औद्योगिक और व्यापारिक संभावनाओं को नजरअंदाज किया जा रहा है। जिसके बाद से ही इंदौर में ही आईटी कॉन्क्लेव कराने को लेकर चर्चा तेज हो गई थी। जिसकी घोषणा सीएम ने खुद कर दी।

इंदौर में आईटी पार्क 3 और 4 का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। यह दोनों ही आईटी पार्क लगभग 3 हेक्टेयर जमीन पर तैयार किए जा रहे हैं। इन्हें तैयार करने में लगभग 550 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। आईटी पार्क 3 का 38 प्रतिशत पूरा हो चुका है और 4 का काम 30 प्रतिशत पूरा हो चुका है। आईटी पार्क 3 में 1 हजार करोड़ का निवेश प्रस्तावित है जहां पर 15 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। वहीं, आईटी पार्क 4 में 500 करोड़ का निवेश प्रस्तावित है जहां पर 4 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। आईटी पार्क 3 दिसंबर 2025 तक तो वहीं और आईटी पार्क 4 जनवरी 2026 तक पूरा हो जाएगा।

तीन घंटे में अनुंकपा नियुक्ति पर विपक्ष ने उठाया सवाल

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में नगर निगम की जनसुनवाई में पहुंची एक महिला को तीन घंटे में अनुकंपा नियुक्ति देने का मामला चर्चा में है। निगमायुक्त ने इस काम में देरी होने पर एक निगमकर्मी को निलंबित तक कर दिया। अब इस नियुक्ति पर सवाल उठने लगे है। नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे ने आरोप लगाया कि निगमायुक्त शिवम वर्मा ने भाजपा नेताओं के दबाव में अनुकंपा नियुक्ति दी है, जबकि नियमानुसार वह ठीक नहीं है। चौकसे ने कहा कि सफाई मित्र पंकज पिता कमल की मौत हो जाने पर कविता को अनुकंपा नियुक्ती तीन घंटे में कर दी गई। यह नियुक्ति पत्र नियम के विपरीत जाकर जारी किया गया है। इस नियुक्ति पत्र को यदि रद्द नहीं किया गया तो कांग्रेस इस मामले को लेकर लोकायुक्त में जाएगी।

चौकसे ने कहा कि निगम के सफाई मित्र पंकज पिता कमल की मृत्यु हो जाने के कारण कविता नामक महिला के द्वारा नगर निगम में अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन प्रस्तुत किया गया था। इस आवेदन पर नियुक्ति का आदेश जारी नहीं करने के कारण निगम आयुक्त के द्वारा मंगलवार को निगम की स्वास्थ्य यूनिट के प्रभारी राजेश करोसिया को निलंबित कर दिया गया। इसके बाद निगम आयुक्त के आदेश पर तीन घंटे में महिला की अनुकंपा नियुक्ति का आदेश जारी किया गया।

चौकसे ने कहा कि भाजपा नेताओं के दबाव में आकर नियम के विपरीत यह नियुक्ति का आदेश जारी किया गया है ।निगम के मृत कर्मचारी पंकज के द्वारा अपने जीवन काल में जो वारिस नाम बनाया गया,उसमें उनके द्वारा अपनी पत्नी दीपिका और माता कमला का नाम लिखा गया। उक्त कर्मचारी के सर्विस रिकॉर्ड नॉमिनेशन में भी यही नाम है। ऐसे में जब किसी के नाम पर वारिस नामा नहीं हो तो उसे अनुकंपा नियुक्ति का लाभ नहीं दिया जा सकता है। निगम के द्वारा भाजपा नेताओं के दबाव में आकर यह नियुक्ति का गलत आदेश जारी किया गया है। चौकसे ने निगम आयुक्त से मांग की है कि एक बार फिर इस मामले की जांच की जाए और नियम के अनुसार ही पूरी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। यदि इस मामले में भाजपा नेताओं के दबाव में नियम के विपरीत कार्रवाई की गई तो कांग्रेस पार्षद दल के द्वारा लोकायुक्त में शिकायत की जाएगी।

प्रेमिका को संदेश भेजकर फोटोग्राफर ने दे दी जान

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। परदेशीपुरा इलाके में 25 वर्षीय फोटोग्राफर मोहित बैरवा ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। सुसाइड से पहले मोहित ने अपनी प्रेमिका को एक भावनात्मक संदेश भेजा, जिसमें लिखा था- तुम खुश रहना बेटा, मैं तुम्हारी जिंदगी से जा रहा हूं। मोहित के परिवार का कहना है कि वह पिछले 13 सालों से एक युवती के साथ रिश्ते में था, लेकिन हाल ही में वह एमवाय अस्पताल के एक डॉक्टर से बात करने लगी।

इस नए रिश्ते को लेकर मोहित और युवती के बीच विवाद हुआ और उसने शादी से इनकार कर दिया। इस स्थिति से परेशान होकर मोहित ने आत्महत्या का कदम उठाया। मोहित के आत्महत्या करने के बाद, उसके दोस्त लगातार उसे फोन कर रहे थे, लेकिन उसने कोई जवाब नहीं दिया। जब रात के लगभग 11 बजे उसके दोस्त तुषार ने मोहित के घर जाकर देखा, तो उसने मोहित को फंदे से लटका पाया। मोहित अपने माता-पिता का एकमात्र बेटा था और उसकी कमाई से ही परिवार का खर्च चलता था। इस घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मोहित के परिवार के लिए यह एक बड़ा सदमा था, क्योंकि उसने अपने जीवन की सबसे कठिन स्थिति का सामना करते हुए आत्महत्या का रास्ता चुना।

सूरत गए परिवार के घर में चोरी नकदी और आभूषण पर हाथ साफ

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के एरोड्रम थाना क्षेत्र में एक घर में चोरी की वारदात हुई। परिवार के सूरत जाने के बाद चोरों ने ताले तोड़कर घर में रखे नकदी और आभूषण पर हाथ साफ कर दिया। घटना का पता तब चला जब माली पौधों में पानी देने पहुंचा और ताले टूटे मिले। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। एरोड्रम पुलिस के मुताबिक, स्कीम नंबर 71 निवासी प्रयास जैन ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। उनके ससुरालवाले संगम नगर में रहते हैं, जहां उनके सास-ससुर, साला और साली रहते हैं। 29 मार्च को पूरा परिवार सूरत गया था। 2 अप्रैल की सुबह जब माली आशीष पौधों में पानी डालने पहुंचा तो उसने देखा कि घर के ताले टूटे हैं और कमरों में सामान बिखरा पड़ा है। माली ने तुरंत घर की मालकिन सोना को सूचना दी, जिसके बाद उन्होंने अपने दामाद प्रयास जैन को जानकारी दी। प्रयास और उनके साले के दोस्त जगदीश मौके पर पहुंचे, तो देखा कि अलमारी से नकदी और गहने गायब हैं। इसके बाद परिजनों को जानकारी देकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने जांच शुरू कर दी। गुरुवार सुबह पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पड़ताल की और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के पिछले चार दिनों के फुटेज खंगाल रही है, ताकि चोरों का सुराग मिल सके।

पति ने पत्नी पर बरसाए एक मिनट में 50 थप्पड़!

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी पत्नी को इतनी बेरहमी से पीटा कि उस पर एक मिनट में करीब 50 बार थप्पड़ बरसाए। घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हुआ, जिसमें दिखाया गया कि एक शख्स अपनी पत्नी के साथ मारपीट कर रहा था, जबकि मौके के पास बंधा एक पालतू कुत्ता बार-बार भौंक रहा था। वीडियो में देखा गया कि व्यक्ति ने महिला के बाल पकड़ लिए और उसे बार-बार थप्पड़ मारता रहा। यह घटना इंदौर में हुई। पता चला कि एक महिला जब विवाद के बाद पुलिस के पास गई, तो ये उस पर भड़क गया था। हालांकि, वीडियो की सही तारीख अभी तक सामने नहीं आई है, लेकिन यह गुरुवार को वायरल हुआ।

इंदौर पुलिस ने पीड़िता के आरोप के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और घटना की जांच कर रही है। वहीं, अधिकारियों ने महिला को बताया कि इस मामले की जांच की जाएगी। वहीं, महिला के पति का दावा है कि वीडियो एक साल पुराना है और पत्नी ने अपने परिजनों के सामने थाने में ही समझौता कर लिया है। उसने दो बार समझौता भी कराया। महिला के पति ईश्वर का दावा है कि बेटे को डांटने को लेकर झगड़ा हुआ था। इस मामले में समझौता भी हो चुका है। उसकी पत्नी किसी जितेंद्र नाम के व्यक्ति के साथ रहकर उसे ब्लैकमेल कर रही है। उसके खिलाफ द्वारकापुरी में केस भी दर्ज है। इससे पहले इस घटना की शिकायत पुलिस कमिश्नर और ऊउढ जोन-4 को सभी संबंधित दस्तावेजों के साथ की गई थी।

पारिवारिक विवाद में दंपति ने फंदा लगाकर दी जान

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में एक दंपति ने बुधवार को फंदा लगाकर अपना जीवन समाप्त कर लिया। आशंका है कि दोनों ने पारिवारिक विवाद के चलते यह कदम उठाया है, हालांकि, स्पष्ट कारण पता नहीं चला। दोनों की शादी 20 साल पहले हुई थी। उनकी दो बेटियां और एक बेटा है ।यह दुखद घटना छत्रीपुरा क्षेत्र के सेठी नगर में हुई। गब्बर पिता मांगीलाल यादव और उसकी पत्नी सपना यादव ने घर में फांसी लगा ली। बच्चों ने माता-पिता को फांसी के फंदे पर लटके देखा तो पुलिस को सूचना दी।

पुलिसकर्मियों ने शवों का पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल पहुंचाया और जांच शुरू की। पुलिस को कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला ।पुलिस अफसरों को पता चला कि परिवार की एक दुकान मूसाखेड़ी क्षेत्र में है। इसमें चारों भाइयों का हिस्सा है, लेकिन दुकान का उपयोग नहीं होता था। गब्बर अपने भांजे के साथ फर्नीचर बनाने का काम करता था। गब्बर के चार भाई है और चारों अलग-अलग रहते हैं। गब्बर के पिता की कोरोनाकाल में मौत हो चुकी थी। पड़ोसियों ने बताया कि गब्बर आर्थिक तंगी के कारण काफी परेशान रहता था। इस कारण पति-पत्नी में अक्सर विवाद भी होते रहते थे। पुलिस ने दंपती का मोबाइल भी जब्त किया है, ताकि आत्महत्या के कारणों को पता चल सके।

वकीलों को 3 महीने के लिए काले कोट से छूट

सफेद शर्ट और काला पैंट पहनकर आ सकेंगे कोर्ट

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। मध्यप्रदेश के सभी जिला अदालतों में वकील 15 अप्रैल 2025 से 15 जुलाई 2025 तक बिना काला कोट पहने पैरवी कर सकेंगे। भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए स्टेट बार काउंसिल ने प्रदेशभर के वकीलों को तीन महीने के लिए काले कोट से छूट देने का निर्णय लिया है। इस अवधि में वकील सफेद शर्ट के साथ काला, सफेद, धारीदार या ग्रे रंग का पैंट पहनकर और एडवोकेट बैंड लगाकर जिला अदालतों और उनके अधीनस्थ न्यायालयों में पैरवी कर सकेंगे। इंदौर अभिभाषक संघ के पूर्व अध्यक्ष गोपाल कचोलिया ने बताया कि, भीषण गर्मी को देखते

हुए स्टेट बार काउंसिल ने प्रदेशभर के वकीलों को तीन महीने के लिए काले कोट से छूट देने का फैसला किया है। इससे गर्मी से परेशान वकीलों को काफी राहत मिलेगी। हालांकि, यह छूट केवल जिला और अधीनस्थ न्यायालयों में लागू होगी, जबकि हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में वकीलों को काले कोट में ही पैरवी करनी होगी। काउंसिल के इस फैसले से प्रदेश के करीब एक लाख वकीलों को लाभ मिलेगा।

16 लाख रुपए की सिगरेट रास्ते में ट्रक से गायब

इंदौर। रायसेन जिले के मंडीदीप वेयर हाउस से बेस्ट प्राइज (वालमार्ट) राऊ इंदौर का माल लेकर निकले ट्रक से 16 लाख की सिगरेट रास्ते में गायब हो गई। मेगा सिटी आनंद वेयर हाउस कैरियर आईटीसी लिमिटेड के कर्ताधर्ता मुडियाखेड़ा निवासी अंकित पिता नरेश तिवारी की शिकायत पर राऊ पुलिस ने सागर निवासी ट्रक चालक बिजवां और हेल्पर चिंटू के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया है। अंकित ने दोनों पर हेरीफेरी का आरोप लगाया है। अंकित ने बताया कि वेयर हाउस से 4 ट्रक में लोड कर सिगरेट और अन्य माल इन्वाइस, बिल्टी के साथ भेजा गया है पर वालमार्ट इंदौर प्रबंधन सिगरेट कम निकलना बता रहा है। वे बताते हैं कि वालमार्ट राऊ को सिगरेट, बिस्किट, आटा, नूडल, बिंगों, साबुन और अन्य मटेरियल हमेशा भेजा जाता है पर कभी ऐसा नहीं हुआ। इन्वाइस और बिल्टी के मुताबिक पूरा माल भेजा गया था। वे कहते हैं कि इस मामले में पता किया गया तो वालमार्ट के रिसीविंग सेक्शन से गड़बड़ी सामने आई। अंकित मुताबिक वालमार्ट के रिसीविंग सेक्शन में एक दुबला-पतला युवक काम करता है। उसने ट्रक ड्राइवर को 50 हजार रुपए लेकर सिगरेट रास्ते में उतारने का लालच दिया था। यह भी कहा था कि वालमार्ट में माल उतरते समय हम पूरे माल की पावती दे देंगे। आईटीसी कंपनी ने वालमार्ट से माल के पैसे मांगे तो उन्होंने पेमेंट देने से इंकार कर दिया।

कालका माता मंदिर के चारों ओर मुर्गे की बांग, 50 से अधिक मुर्गे घूम रहे

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के कालका माता मंदिर में पहुंचकर भक्त जो भी मुराद मांगते हैं, पूरी हो जाती हैं। मुराद पूरी होने पर भक्त यहां एक मुर्गा छोड़ जाते हैं। ऐसी मान्यता है कि श्रद्धालुओं के बीच कि नारियल चढ़ाने के साथ ही एक मुर्गा भी छोड़ना पड़ता है। फिलहाल मंदिर के चारों ओर 50 से अधिक मुर्गे घूम रहे हैं। इन्हें भक्तों ने यहां छोड़ा है. मंदिर में नारियलों की मालाएं बड़ी संख्या में हैं।

लोग बताते हैं कि इंदौर के कंडिलपुरा चौराहे पर 60 वर्ष पहले एक पुजारी द्वारा कालका माता की मूर्ति स्थापित की गई। धीरे-धीरे रहवासियों ने यहां मंदिर बनवाया दिया। अब यह मंदिर भव्य रूप ले चुका है। यहां 5 फीट की मूर्ति पुजारी परिवार द्वारा

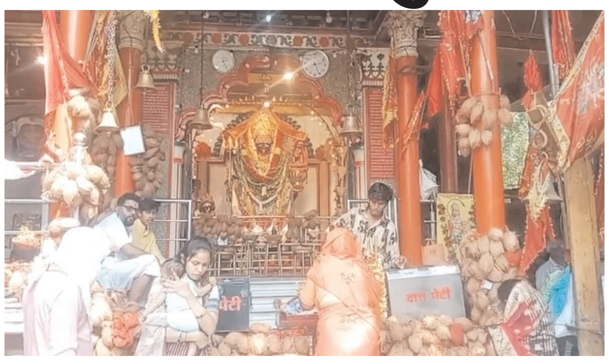

स्थापित की गई थी। साथ ही 8 फीट ऊंची कालका माता की मूर्ति को विराजित किया गया। भक्तों का कहना है कि कालाका माता मंदिर में काफी दूर से भक्त आते हैं। मंदिर की मान्यता है कि जो भी भक्त यहां पर दर्शन करने के बाद जो मन्नत मांगता है, उसे पहले एक नारियल चढ़ाना पड़ता है।

जब भक्त की मन्नत पूरी हो जाती है तो वह नारियलों एक माला माता को अर्पित करता है। कुछ भक्तों द्वारा एक मुर्गा भी माता जी के मंदिर परिसर में ही छोड़ जाता है। बता दें कि कालका माता मंदिर जिस जगह पर मौजूद है, वहां तक पहले शहर की बसावट नहीं थी लेकिन धीरे धीर मंदिर के आसपास कई कॉलोनियों का निर्माण होने के चलते मंदिर पुराने इंदौर के मध्य क्षेत्र में आ गया। बताया जाता है कि वर्षों पहले ग्रामीण क्षेत्र के किसान अपना अनाज और रोजाना गायों का दूध लेकर कंडिलपुरा चौराहा को क्रॉस कर शहर की और आते थे, जिस कारण कई बार वे हादसे के शिकार हो जाते थे। इसीलिए यहां कालका माता विराजित किया गया। मंदिर के पुजारी दीपेश पौराणिक कहते हैं कि माता से जो भी मुराद सच्चे मन से मांगो तो पूरी होती है।

कांग्रेस ने मुख्य सचिव को भेजी शिकायत

निजी स्कूल किताब-ड्रेस अपनी चहेती दुकानों से खरीदने को कर रहे मजबूर

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। एमपी कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि निजी स्कूलों द्वारा नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी का कहना है कि अत्यंत महंगी किताबें और यूनिफार्म निजी स्कूल अपनी चहेती दुकानों से खरीदने के लिए कह रहे हैं। त्रिपाठी ने पीले चावल के साथ मुख्य सचिव अनुराग जैन को एक पत्र भेजा है। पत्र के माध्यम से त्रिपाठी ने सभी जिलों के कलेक्टरों को निजी स्कूलों की अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई करने के तत्काल निर्देश जारी करने की मांग की है।

आरटीई नियमों का उल्लंघन

विवेक त्रिपाठी ने कहा कि निजी स्कूलों द्वारा की जा रही अनुचित शुल्क वसूली, महंगी निजी प्रकाशनों की किताबों की अनिवार्यता, तथा आरटीई नियमों के उल्लंघन जैसी गंभीर समस्याओं को कांग्रेस द्वारा समय समय पर उजागर किया गया। जिसकी विधिवत शिकायत हमारे द्वारा शासन एवं प्रशासन के जिम्मेदार व्यक्तियों को लगातार की जा रही हैं परन्तु अधिकारी शिक्षा माफियाओं के दबाव में कोई कार्रवाई नहीं कर रहें । जिसके कारण मध्यप्रदेश के पीड़ित अभिभावकों में रोष व्याप्त हैं।

कांग्रेस की शासन से मांग

1. एनसीआरटी की किताबों को 1ह्यह्ल क्लास से ही अनिवार्य किया जाए , वहीं नर्सरी केजी-1 केजी 2 की किताबों में 5 वर्ष तक किसी भी बदलाव पर अंकुश लगे ताकि बार-बार अभिभावकों पर महंगी किताबों का आर्थिक बोझ न पड़े।

2. स्कूलों द्वारा चुनिंदा दुकानों से खरीददारी कराने पर रोक लगे और इस पर सख्त कार्रवाई की जाए। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा पोर्टल पर किताबों की सूची तत्काल डाली जाएं ।

3. नियम विरुद्ध मनमाने ढंग से फीस बढ़ाने वाले स्कूलों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई हो 10त्न का नियम कढ़ाई से लागू हो ।

4. कांग्रेस सरकार की योजना आरटीई (शिक्षा का अधिकार अधिनियम) के तहत गरीब बच्चों को अनिवार्य रूप से प्रवेश दिया जाए और इसके पालन की निगरानी हो जिसके लिए जिला और प्रदेश स्तर पर उचित शिकायतें निवारण प्रकोष्ठ बनें ।

5. जिला कलेक्टर कार्यालय में एक विशेष दिन शिक्षा के क्षेत्र से संबंधित शिकायतों की जनसुनवाई की जाएं ।

जबलपुर कलेक्टर की कार्रवाई का दिया उदाहरण

विवेक त्रिपाठी ने कहा कि हाल ही में जबलपुर कलेक्टर द्वारा निजी स्कूलों पर की गई कार्रवाई एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे शिक्षा माफियाओं पर अंकुश लगा है। कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि ऐसी कार्रवाई पूरे प्रदेश में सुनिश्चित होनी चाहिए, ताकि अन्य जिलों में निजी स्कूलों की मनमानी रोकी जा सके और छात्रों व अभिभावकों को राहत मिले , निजी स्कूलों के खिलाफ दर्ज सीएम हेल्पलाइन में शिकायतों का 15 कार्य दिवस में निराकरण कर उचित कार्यवाही करें।

पीले चावल देकर सरकार को चेतावनी

विवेक त्रिपाठी ने पीले चावल के साथ मुख्य सचिव अनुराग जैन को स्मरण पत्र भेजकर सांकेतिक रूप से सरकार को चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो कांग्रेस प्रदेशभर में व्यापक आंदोलन करेगी।

उन्होंने कहा कि शिक्षा कोई व्यापार नहीं, बल्कि समाज का अधिकार है, इसके व्यवसाय कारण का हम पुरजोर विरोध करेंगे और कांग्रेस हर स्तर पर छात्रों व अभिभावकों के अधिकारों की लड़ाई लड़ेगी।

सीएम डॉ. मोहन यादव बोले, राज्य में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं

पुरानी देनदारी चुका कर विकास के पैमानों पर आगे बढ़ रहा है राज्य

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश में डबल इंजन की सरकार जनहितैषी संकल्पों के साथ अग्रसर है। उद्योग-व्यापार से लेकर खेलों तक राज्य में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार के मार्गदर्शन और नीति आयोग के निर्देशों के अनुरूप प्रत्येक विभाग में सुशासन के मूल भाव के साथ गतिविधियों की मॉनिटरिंग जारी है। राज्य सरकार के हर विभाग ने अपने-अपने क्षेत्र में श्रेष्ठतम कार्य करने का संकल्प लिया है। राज्य सरकार कुशल वित्तीय प्रबंधन के आधार पर अपनी पुरानी देनदारी चुका कर, नई दृष्टि से विकास के पैमानों पर आगे बढ़ रही है। विकास के साथ औद्योगिक गतिविधियों और जन हितैषी कार्यों का विस्तार इन्हीं दृढ़संकल्पों की परिणीती है। राज्य सरकार, प्रदेशवासी और अधिकारी-कर्मचारी एकजुट होकर एक भावना के साथ प्रगति पर अग्रसर हों, इसी मंशा के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने इस वर्ष बजट में कोई नया टैक्स नहीं लगाया, बावजूद इसके गत वर्ष की तुलना में बजट में 16 प्रतिशत की वृद्धि की गई। कुशल वित्तीय प्रबंधन और सभी के सहयोग से सरकार हर क्षेत्र में अपने तय लक्ष्यों को प्राप्त कर रही है। मुख्यमंत्री ने मीडिया को जारी संदेश में यह विचार व्यक्त किए।

सरकारी कर्मचारियों के हित में वर्षों पुराने भत्तों की राशि बढ़ाने का लिया निर्णय

मुख्यमंत्री ने कहा है कि राज्य सरकार ने शासकीय कर्मचारियों के हित में लगभग 10-15 वर्ष तक पुराने भत्तों की राशि बढ़ाने का निर्णय लिया है। इसके लिए वर्ष 2025-26 के बजट में राशि आवंटित की गई है, जिससे सरकार पर करीब 1500 करोड़ रुपए का व्यय भार आएगा। उन्होंने कहा कि सरकार कुशल वित्तीय प्रबंधन के आधार पर ही अपने अधिकारी-कर्मचारियों की बेहतरी का ध्यान रख पा रही है। उन्होंने कहा कि विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में प्रदेश को प्राप्त हो रही उपलब्धियों का श्रेय अधिकारी-कर्मचारियों को जाता है।

एमपी देश का एकमात्र राज्य जिसने 7-8 साल पुरानी देनदारी चुकाई

मुख्यमंत्री ने कहा है कि पूरे देश में मध्यप्रदेश एकमात्र ऐसा राज्य है, जिसने अपनी 7-8 साल पुरानी सारी देनदारी चुकाने का कार्य किया। हमारी सरकार ने एमएसएमई और हैवी इंडस्ट्रीज सहित सभी प्रकार की इकाइयों को गत एक वर्ष में लगभग 5 हजार 225 करोड़ रुपए की राशि देने का काम किया है। हमारी सरकार नवीन पहलों के माध्यम से उद्योगों के लिए निरंतर सकारात्मक वातावरण बना रही है। राज्य सरकार विकास के लिए प्रदेश से जुड़ने वाले उद्योगों से किये गये अपने सभी संकल्पों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुशल वित्तीय प्रबंधन के आधार पर सभी केंद्रीय कोयला कंपनियों की देनदारियों का शत-प्रतिशत भुगतान कर दिया है। जेनरेशन कंपनी के चारों ताप विद्युत गृहों के कुशल प्रबंधन के फलस्वरूप अब तक का सर्वाधिक 11.73 लाख मैट्रिक टन कोयले का भंडारण किया गया है। ताप विद्युत गृहों में उपयोग के लिए कोयला भंडारण का अग्रिम भुगतान भी सरकार की ओर से किया जा चुका है।

भोपाल नगर निगम का 3611 करोड़ का बजट पेश

प्रॉपर्टी टैक्स में 10 प्रतिशत, पानी और ठोस-अपशिष्ट पर 15 प्रतिशत टैक्स की बढ़ोतरी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल नगर निगम का आज 3611 करोड़ का बजट पेश किया गया है। भोपाल में प्रॉपर्टी टैक्स में 10 प्रतिशत, पानी और ठोस-अपशिष्ट पर 15 प्रतिशत टैक्स की बढ़ोतरी की गई है। इससे भोपाल के पौने 3 लाख नल कनेक्शन और 5.62 लाख प्रॉपर्टी टैक्स उपभोक्ता प्रभावित होंगे।

बता दें कि गुरुवार को महापौर मालती राय ने भोपाल नगर निगम का बजट पेश किया। बीते बजट से इस बार 300 करोड़ ज्यादा का बजट पेश किया गया। वित्तीय वर्ष 2025-26 की अनुमानित आय छत्तीस सौ ग्यारह करोड़ उन्यासी लाख पिचहत्तर हजार रुपये के विरूद्ध अनुमानित व्यय छत्तीस सौ ग्यारह करोड़ उन्यासी लाख पिचहत्तर हजार रुपये प्रस्तावित है। राजस्व आय की 5 प्रतिशत रिजर्व राशि एक सौ दस करोड़ सात लाख चार हजार रुपये रखने के उपरांत एक सौ दस करोड़ सात लाख चार हजार रुपये संभावित घाटे का बजट सदन के समक्ष स्वीकृति हेतु प्रस्तुत है। नगर सीमा में प्रविष्ट होने वाले मुख्य मार्गो पर हेरिटेज प्रवेश द्वार निर्माण कार्य के लिए 3000 लाख यानी 30 करोड़ का प्रावधान किया गया है। महिला सशक्तिकरण हेतु विशेष निधि हेतु राशि 1500 लाख का प्रावधान किया गया है। निगम सीमा अंतर्गत स्थित फिल्टर प्लांटों में सौर उर्जा प्लांट की स्थापना कार्य हेतु राशि. 150 लाख का प्रावधान किया गया है। जल सरंचना, हरित क्षेत्र के विकास कार्य हेतु तीन करोड़ का प्रावधान किया गया है। अयोध्या बायपास रोड पर स्वीमिंग पूल निर्माण कार्य हेतु राशि 400 लाख का प्रावधान किया गया है। विसर्जन घाटों का विकास कार्य हेतु राशि 3200 लाख का प्रावधान किया गया है। स्वच्छ भारत मिशन 2.0 अंतर्गत राशि 500 लाख का प्रावधान किया गया है। औद्योगिक क्षेत्र गोविंदपुरा के समीप सामुदायिक स्थल सह खेल मैदान विकास के निर्माण कार्य हेतु राशि 300 लाख का प्रावधान किया गया है। बजट में भोपाल शहर में गीता भवन निर्माण कार्य हेतु राशि 20 करोड़ का प्रावधान किया गया है। निगम कर्मचारियों की छात्र/छात्राओं को कक्षा 10वीं व 12वीं में मैरिट प्राप्त किये जाने के फलस्वरूप प्रोत्साहन राशि 10000 प्रति छात्र-छात्रा का प्रावधान किया गया है। शहर में पार्कों के विकास कार्य हेतु राशि 1200 लाख का प्रावधान किया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन हेतु राशि 400 करोड़ का प्रावधान किया गया है। शहर के विकास एवं विशेषत: वार्डों के विकास कार्य हेतु प्रति वार्ड 50 लाख रू. वार्ड नियोजन निधि के रूप में कुल राशि रुपये 4250 लाख का प्रावधान किया गया है। जोन कार्यालय स्तर पर जोन अध्यक्ष निधि अंतर्गत (प्रति जोन 10.00 लाख) राशि 210.00 लाख का प्रावधान किया गया है। छोला दशहरा मैदान के विकास कार्य हेतु राशि 1000 लाख का प्रावधान किया गया है। भोपाल शहर के मुख्य मार्गों के सौंदर्गीकरण कार्य हेतु राशि रू. 1500 लाख का प्रावधान किया गया है। शालाओं में निर्माण/विकास कार्य हेतु शिक्षा उपकर राशि 3065.94 लाख का प्रावधान किया गया है। प्रकाश व्यवस्था (सड़क एवं चौराहे) हेतु 1500.00 लाख का प्रावधान किया गया है। भोपाल शहर अंतर्गत नाला नाली निर्माण हेतु राशि 1100 लाख रुपए का प्रावधान किया गया है। अमृत 2.0 योजना अंतर्गत राशि रू. 7546 लाख का प्रावधान किया गया है। व्यवसायिक परिसरों के निर्माण कार्य हेतु राशि रु. 6000 लाख का प्रावधान किया गया है। एनडीआएफ अंतर्गत नाला नाली निर्माण हेतु राशि 20000 लाख का प्रावधान किया गया है। शहर के विभिन्न विश्रामघाटों हेतु राशि 500 लाख तथा कब्रिस्तानों के विकास कार्य हेतु राशि 200 लाख रुपए का प्रावधान किया गया है।

शहर को संवारने की कवायद

भोपाल शहर की विभिन्न सड़कों के अनुरक्षण हेतु राशि 3000 लाख का प्रावधान किया गया है। जीआईएस अंतर्गत किये गये सौन्दर्यीकरण कार्यों के अनुरक्षण एवं संधारण हेतु राशि 1000 लाख रुपए का प्रावधान किया गया है। वार्डों के समग्र विकास हेतु विशेष निधि अंतर्गत राशि 1000 लाख का प्रावधान किया गया है। नगर विकास हेतु विशेष निगम निधि अंतर्गत 500 लाख का प्रावधान किया गया है। महापौर परिषद सदस्य निधि अंतर्गत राशि 1000 लाख का प्रावधान किया गया है। विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्य हेतु राशि रु 1500 का प्रावधान किया गया है। निगम के सफाई मित्रों को वर्दीयां तथा रैन कोट प्रदान किये जाने हेतु राशि 200 लाख का प्रावधान किया गया है।

बजट से पहले निगम मुख्यालय की लागत बढ़ाने पर हंगामा

भोपाल नगर निगम का बजट पेश करने के पहले हुई बैठक में भोपाल नगर निगम मुख्यालय के निर्माण की राशि में करीब 7 करोड़ की बढ़ोतरी का प्रस्ताव रखा गया, जिसके बाद बैठक में हंगामा हो गया। जीएसटी की अतिरिक्त राशि को लेकर कांग्रेस पार्षदों ने विरोध किया, जबकि बीजेपी पार्षद पप्पू विलास ने कहा कि काम पहले ही लेट हो चुका है, ऐसे में लागत बढ़ाना गलत है। उन्होंने इस प्रस्ताव को परीक्षण के बाद पास करने की मांग की। एमआईसी मेंबर रविंद्र यति ने निगम मुख्यालय की खासियतें गिनाईं, लेकिन पार्षद हिमांशु कंसाना और गुड्डू चौहान ने अधिक जीएसटी देने पर आपत्ति जताई। इस पर एमआईसी मेंबर अशोक वाणी ने कहा कि टेंडर प्रक्रिया और जीएसटी का भुगतान नियमानुसार ही किया गया है।

वन नेशन-वन इलेक्शन का विरोध

बैठक में महापौर मालती राय ने वन नेशन वन इलेक्शन का समर्थन प्रस्ताव रखा। भाजपा पार्षद सूर्यकांत गुप्ता ने इस पर चर्चा शुरू करनी चाही, लेकिन कांग्रेस पार्षदों ने विरोध जताया। उन्होंने कहा कि यह लोकसभा का मामला है, नगर निगम में इसे क्यों उठाया जा रहा है। इस पर निगम अध्यक्ष सूर्यवंशी ने कहा कि प्रस्ताव मेरी अनुमति से रखा गया है, सभी पार्षद अपनी सीटों पर बैठें। लेकिन कांग्रेस पार्षदों ने विरोध जारी रखा और अध्यक्ष की आसंदी के सामने पहुंच गए। अध्यक्ष ने कांग्रेस पार्षदों को वापस भेजा, वहीं भाजपा पार्षद सूर्यकांत गुप्ता ने प्रस्ताव रखना जारी रखा और भाजपा पार्षदों ने इसका समर्थन किया। भोपाल में टीटी नगर स्थित सरकारी आवास का निर्माण हुआ था। सीएम मोहन यादव ने परिसर का नाम पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई परिसर करने की घोषणा की थी। मीटिंग में यह प्रस्ताव भी ध्वनिमत से पास कर दिया गया। एमआईसी मेंबर रविन्द्र यति ने यह प्रस्ताव रखा। इस पर विपक्ष ने भी किसी प्रकार का विरोध नहीं दर्ज कराया।

धनकुबेर सौरभ शर्मा की जमानत पर भड़की कांग्रेस भ्रष्टाचार रूपी घड़े फोड़कर किया प्रदर्शन

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्य प्रदेश के बहुचर्चित भ्रष्टाचार के मामले में परिवहन विभाग में पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा को लोकायुक्त कोर्ट से जमानत मिलने को लेकर सियासत तेज है। कांग्रेस इसका विरोध कर रही है और प्रदेश सरकार पर आरोप लगा रही है। इसे लेकर सीहोर में कांग्रेस ने प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कांग्रेस ने भ्रष्टाचार के मटके भी फोड़े। जिला मुख्यालय सीहोर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जमानत का विरोध किया। कोतवाली चौराहा पर विरोध प्रदर्शन करते हुए प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और यहां पर मटके भी फोड़े। बड़ी संख्या में कांग्रेसी यहां एकत्रित हुए और जमकर प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजीव गुजराती के निर्देश पर नेता प्रतिपक्ष विवेक राठौर के नेतृत्व में भ्रष्टाचारी सौरभ शर्मा को जमानत दिए जाने के विरोध में कोतवाली चौराहे पर प्रतिकात्मक पाप का घड़ा फोड़कर एवं भाजपा सरकार के विरोध में गगन भेदी नारों के साथ विरोध प्रदर्शन किया। जिला मुख्यालय सीहोर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जमानत का विरोध किया। कोतवाली चौराहा पर विरोध प्रदर्शन करते हुए प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और यहां पर मटके भी फोड़े। बड़ी संख्या में कांग्रेसी यहां एकत्रित हुए और जमकर प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजीव गुजराती के निर्देश पर नेता प्रतिपक्ष विवेक राठौर के नेतृत्व में भ्रष्टाचारी सौरभ शर्मा को जमानत दिए जाने के विरोध में कोतवाली चौराहे पर प्रतिकात्मक पाप का घड़ा फोड़कर एवं भाजपा सरकार के विरोध में गगन भेदी नारों के साथ विरोध प्रदर्शन किया।

भोपाल में रैपिडो बुक कर रहे युवक से बदमाश ने मोबाइल लूटा

भोपाल। शहर के हबीबगंज इलाके में एक युवक से मोबाइल लूट की वारदात हो गई। लुटेरे ने युवक का महंगा स्मार्टफोन जबरन छीन लिया और मौके से फरार हो गया। घटना की शिकायत पीड़ित युवक आकाश त्रिपाठी ने थाना थाने में दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक, घटना बुधवार रात करीब 11 बजे की है। पीड़ित युवक सड़क किनारे रैपिडो बुक करने के लिए फोन का इस्तेमाल कर रहा था, तभी एक अज्ञात व्यक्ति अचानक आया और धक्का देकर उसका फोन छीनकर भाग गया। युवक के विरोध करने से पहले ही लुटेरा फरार हो गया। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि लूटा गया मोबाइल फोन स्र्श्वह्लश्च श्वस्त्रद्दद्ग 40 ह्द्गश्च मॉडल का था। जिसकी कीमत लगभग 30 हजार रुपए है। लूट के बाद, मोबाइल को कुछ घंटों तक ऑन पाया गया, लेकिन सुबह 7 बजे के बाद फोन का नेटवर्क बंद हो गया। जिससे संदेह है कि लुटेरे ने फोन बंद कर दिया या सिम कार्ड निकाल दिया। पीड़ित ने पुलिस से जल्द से जल्द लुटेरे को पकड़ने और फोन को ट्रेस करने की मांग की है। भोपाल पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एएसआई संतोष मार्कम ने कहा कि घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी के फुटेज खंगाले जा रहे हैं, जिससे लुटेरे की पहचान की जा सके।

वक्फ बिल पास होने के बाद मंत्री विश्वास सारंग बोले

ओवैसी ने संसद में जो हरकत की, क्या वह राहुल-प्रियंका को दिखाई नहीं देती

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। लोकसभा में वक्फ संबंधी बिल पास होने के बाद सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि असदुद्दीन ओवैसी ने संसद में कल जो हरकत की है, क्या वह राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को दिखाई नहीं दिया कि संविधान की धज्जियां उड़ाई गईं और सदन में बिल की कॉपी को फाड़ा गया। उन्होंने कहा कि जो बिल पास हुआ है वह किसी कौम के विरोध में नहीं है बल्कि उस वर्ग के गरीब लोगों को संरक्षण देने का सार्थक और सकारात्मक प्रयास है। मीडिया से चर्चा में सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि सबकी संपत्ति का विवाद कोर्ट में जा सकता है लेकिन वक्फ बोर्ड का विवाद कोर्ट में नहीं जाएगा। कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका के अधिकार, कर्तव्य और सीमाएं हैं। ऐसा क्यों हो, इसलिए यह बिल जो लोकसभा में पारित हुआ है, वह किसी कौम या व्यक्ति के खिलाफ नहीं है। उन्होंने कहा कि व्यवस्था में बदलाव का यह सार्थक और अच्छा प्रयास है।

सारंग ने कहा कि ओवैसी ने कल जो हरकत की क्या वह संवैधानिक है। क्या वे यह मानते हैं कि यह पाकिस्तान है? उन्होंने कहा कि यह देश कायदे कानून व्यवस्था और परंपराओं से चलेगा। यह सदन कोई मछली घर नहीं हैं। ओवैसी का बिल फाड़ देना क्या प्रियंका गांधी और राहुल गांधी को दिखाई नहीं देता कि संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। अपनी कुंठा दिखाने और राजनीतिक रोटी सेंकने के लिए बिल फाड़ा गया है। ऐसे लोग विरोध इसलिए कर रहे हैं क्योंकि इनकी राजनीति बंद हो रही है। वक्फ बिल गरीब मुसलमानों को संरक्षण देगा भाजपा मुसलमान के विरोध की बात नहीं करती बल्कि गरीब मुसलमानों को संरक्षण देने का काम करती है, इससे यह सुनिश्चित हुआ है। यह कौम के गरीब को संरक्षण देने वाला कानून है। जिस प्रकार से हजारों मुसलमान महिलाओं, पुरुषों ने बिल के समर्थन में नारे लगाए हैं और पीएम नरेंद्र मोदी को समर्थन दिया है, उससे यह साफ है कि बिल कौम के समर्थन में है उसके खिलाफ नहीं है। सारंग ने यह भी कहा कि जो इसका विरोध कर रहे हैं वे तुष्टिकरण की राजनीति को आगे बढ़ाना चाहते हैं। यदि न्यायपालिका को किसी एक तुष्टिकरण की राजनीति के लिए अलग कर देंगे तो यह सही नहीं है।

सम्पादकीय

वक्फ बोर्ड की कानूनन जवाबदेही और पारदर्शिता अनिवार्य

वक्फ कानून 1954 में बना, लेकिन 1955 और 1995 में भी संशोधन पारित किए गए। हर बार केंद्र में कांग्रेस सरकार थी। अब मौजू सवाल यह है कि वक्फ कानून का पुराना वक्त खत्म क्यों माना जा रहा है और नए वक्त की जरूरत क्या और क्यों है? करीब 9.4 लाख एकड़ जमीन और 8.72 लाख संपत्तियों के मालिक वक्फ बोर्ड की कानूनन जवाबदेही और पारदर्शिता अनिवार्य है। इतनी व्यापक मिल्कीयत बेहिसाबी नहीं रखी जा सकती। यही संवैधानिक स्थिति है। ओवैसी सरीखे मुस्लिम सांसद और असंख्य मौलाना, मुफ्ती प्रस्तावित बिल की जो व्याख्या करते आ रहे हैं, वह कमोबेश भारत में संभव नहीं है।

वक्फ शब्द की उत्पत्ति अरबी भाषा के 'वकफा' शब्द से हुई है। इसका अर्थ होता है रोकना, धारण करना या जोड़ना। इस्लामी कानून में वक्फ एक धार्मिक या समाजसेवी उद्देश्य के लिए संपत्ति को दान करने की प्रक्रिया को कहा जाता है, जिसमें उस संपत्ति से होने वाले लाभ सार्वजनिक भलाई के लिए खर्च करने का प्रावधान है। किसी संपत्ति के वक्फ घोषित होने के बाद उसे बेचना, किसी को वारिस बनाना या हस्तांतरित करना संभव नहीं है। वक्फ इस्लामी परंपराओं में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यह धार्मिक संस्थाओं, शैक्षिक संगठनों और कल्याणकारी परियोजनाओं के लिए लंबे समय के लिए दान सुनिश्चित करता है। वक्फ की संरचना में तीन प्रमुख पक्ष होते हैं। पहला वकिफ, वह व्यक्ति जो संपत्ति दान करता है। दूसरा मवकूफ अलय्ह, वे लाभार्थी जो वक्फ से होने वाले लाभ का उपयोग करते हैं। तीसरा मुतवल्ली, वह ट्रस्टी जो वक्फ संपत्ति का प्रबंधन करता है। इस्लाम धर्म के मुताबिक, चूंकि वक्फ संपत्तियां अल्लाह को दी जाती हैं, इसलिए भौतिक रूप से मूर्त इकाई की अनुपस्थिति में वक्फ का प्रबंधन या प्रशासन करने के लिए वक्फ या किसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा एक मुतवल्ली नियुक्त किया जाता है। एक बार वक्फ के रूप में नामित होने के बाद स्वामित्व वक्फ (वाकिफ) करने वाले व्यक्ति से अल्लाह को हस्तांतरित हो जाता है, जिससे यह अपरिवर्तनीय हो जाता है। भारत में वक्फ का इतिहास दिल्ली सल्तनत के शुरुआती दिनों में देखा जा सकता है, जब सुल्तान मुइजुद्दीन सैम गौर ने मुल्तान की जामा मस्जिद के पक्ष में दो गांव समर्पित किए और इसका प्रशासन शेखुल इस्लाम को सौंप दिया। जैसे-जैसे दिल्ली सल्तनत और बाद में इस्लामी राजवंश भारत में फले-फूले, भारत में वक्फ संपत्तियों की संख्या बढ़ती रही। भारत की स्वतंत्रता के बाद 1954 में वक्फ संपत्तियों को विनियमित करने के लिए वक्फ अधिनियम की शुरुआत की गई। इसे बाद में 1995 में वक्फ अधिनियम से बदल दिया गया, जो आज भी लागू है। इस अधिनियम में वक्फ संपत्तियों की पहचान के लिए राज्य स्तर पर अनिवार्य सर्वेक्षण, राज्य वक्फ बोर्डों का गठन और केंद्रीय वक्फ परिषद का गठन किया गया। आज के संदर्भ में वक्फ संशोधन बिल का कानून बनना लगभग तय है। विपक्ष में जो दल मान रहे थे कि तेलुगूदेशम पार्टी (टीडीपी), जनता दल-यू, एलजेपी (रामविलास) और रालोद सरीखे धर्मनिरपेक्ष दल भाजपा के वक्फवादी एजेंडे को रोक सकते हैं, वे अब निराश होंगे, क्योंकि इन दलों ने वक्फ बिल पर भाजपा को समर्थन दिया। चंद्रबाबू नायडू, नीतीश कुमार, चिराग पासवान आदि ने जो संशोधन दिए थे, मोदी सरकार ने उन्हें बिल में समाहित कर लिया। इस बिल के जरिये प्रधानमंत्री मोदी ने बहुमत का शक्ति-परीक्षण भी साबित कर दिया है। साथ में धर्मनिरपेक्षता की परिभाषा भी बदल दी है। चूंकि भाजपा के इन सहयोगी दलों का अच्छा-खासा मुस्लिम जनाधार है, फिर भी उन्होंने वक्फ बिल पर मोदी सरकार को समर्थन दिया है। मुसलमानों का समर्थन लेना और उन्हें समर्थन देना ही धर्मनिरपेक्षता नहीं है। अब भाजपा-समर्थक भी धर्मनिरपेक्ष हैं। वक्फ बिल के संदर्भ में यह गौरतलब तथ्य है कि 2013 में कांग्रेस और भाजपा ने संसद में कुछ संशोधन पारित कराए थे। किसी भी दल ने वक्फ कानून में उन संशोधनों का विरोध नहीं किया था। तब भाजपा की ओर से शाहनवाज हुसैन और मुख्तार अब्बास नकवी सरीखे सांसदों ने संशोधनों का सत्यापन भी किया था। 2019 तक वक्फ की तमाम संपत्तियों का जब डिजिटलीकरण किया गया, तब भी भाजपा का सहयोग रहा। 2013 में केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार थी और ऑनलाइन रिकॉर्ड बनाने के दौरान मोदी सरकार थी। वक्फ कानून 1954 में बना, लेकिन 1955 और 1995 में भी संशोधन पारित किए गए। हर बार केंद्र में कांग्रेस सरकार थी। अब मौजू सवाल यह है कि वक्फ कानून का पुराना वक्त खत्म क्यों माना जा रहा है और नए वक्त की जरूरत क्या और क्यों है? करीब 9.4 लाख एकड़ जमीन और 8.72 लाख संपत्तियों के मालिक वक्फ बोर्ड की कानूनन जवाबदेही और पारदर्शिता अनिवार्य है। इतनी व्यापक मिल्कीयत बेहिसाबी नहीं रखी जा सकती। यही संवैधानिक स्थिति है। ओवैसी सरीखे मुस्लिम सांसद और असंख्य मौलाना, मुफ्ती प्रस्तावित बिल की जो व्याख्या करते आ रहे हैं, वह कमोबेश भारत में संभव नहीं है। किसी भी समुदाय के मौलिक अधिकारों पर कोई प्रहार नहीं किया जा सकता। यही भ्रम नागरिकता संशोधन बिल के दौरान भी फैलाया गया था। क्या किसी एक भी भारतीय मुसलमान की नागरिकता छिनी या उन्हें हिरासत-केंद्र में कैद किया गया? ओवैसी की जमात इन सवालों पर खामोश रहती है।

मथुरा-काशी से जुड़ी नई मुहिम का आह्वान

हिंदू समूहों का दावा है कि मुस्लिम आक्रमणकारियों ने मथुरा में श्रीकृष्ण मंदिर और वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर को नष्ट करके उनके ऊपर मस्जिदें बना दीं। इसीलिए विश्व हिंदू परिषद और साधु-संतों ने 1984 में तीन मंदिरों की बात की थी, जिनमें में अयोध्या में श्रीराम मन्दिर बन चुका है। इसके बाद कई लोगों को लगने लगा था कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व उसके अन्य सहयोगी संगठन इससे संतुष्ट हो चुके हैं और काशी व मथुरा के विषय को जैसे उन्होंने त्याग दिया है या भूला दिया है। लेकिन ऐसा नहीं है, लोकसभा में वक्फ विधेयक के पेश किए जाने से कुछ ही घंटे पहले संघ के सरकार्यवाह एवं महामंत्री दत्तात्रेय होसबाले ने काशी ज्ञानवापी और मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि से जुड़े आंदोलनों-कार्यक्रमों में संघ के स्वयंसेवकों को न रोकने की बात कह कर एक नई मुहीम के आह्वान का अप्रत्यक्ष रूप से संकेत दे दिया है, जिसके गहरे राजनीतिक निहितार्थ हैं।

हिंदू समूहों का दावा है कि मुस्लिम आक्रमणकारियों ने मथुरा में श्रीकृष्ण मंदिर और वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर को नष्ट करके उनके ऊपर मस्जिदें बना दीं। इसीलिए विश्व हिंदू परिषद और साधु-संतों ने 1984 में तीन मंदिरों की बात की थी, जिनमें में अयोध्या में श्रीराम मन्दिर बन चुका है। इसके बाद कई लोगों को लगने लगा था कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व उसके अन्य सहयोगी संगठन इससे संतुष्ट हो चुके हैं और काशी व मथुरा के विषय को जैसे उन्होंने त्याग दिया है या भूला दिया है। लेकिन ऐसा नहीं है, लोकसभा में वक्फ विधेयक के पेश किए जाने से कुछ ही घंटे पहले संघ के सरकार्यवाह एवं महामंत्री दत्तात्रेय होसबाले ने काशी ज्ञानवापी और मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि से जुड़े आंदोलनों-कार्यक्रमों में संघ के स्वयंसेवकों को न रोकने की बात कह कर एक नई मुहीम के आह्वान का अप्रत्यक्ष रूप से संकेत दे दिया है, जिसके गहरे राजनीतिक निहितार्थ हैं। पिछले कुछ समय से इनको लेकर एक ऊहापोह की स्थिति थी, लेकिन संघ के इस मुद्दे पर छाये धुंधलको को हटाते हुए अपने नये बयान से ऊर्जा का संचार किया है। भले ही इससे राजनीति गमायें, लेकिन हिन्दू आस्था को इससे खुशी मिली है।

संघ की कन्नड़ साप्ताहिक पत्रिका विक्रमा को दिए इंटरव्यू में होसबाले ने साफ कर दिया कि उस समय यानी 1984 में विश्व हिंदू परिषद और साधु-संतों ने तीन मंदिरों की बात की थी। इसलिए अगर संघ के स्वयंसेवक इन मंदिरों के लिए काम करना चाहते हैं, तो हम उनको रोकेंगे नहीं। साफ है, इस बयान के बाद इन मथुरा-काशी दोनों स्थलों से जुड़े विवाद और इनके आंदोलनों को एक नई ऊर्जा, इन मन्दिरों के जीर्णोद्धार, स्वतंत्र अस्तित्व हासिल करने में सफलता मिलेगी। इससे एक बार फिर भाजपा की ताकत बढेगी एवं हिन्दुओं को एकजुट करने का वातावरण बनेगा। बिहार में कुछ ही माह बाद विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और साल 2027 की शुरुआत में ही उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होंगे। बिहार एवं उत्तर प्रदेश दोनों ही प्रदेशों में जातिगत गणना और आरक्षण को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिशें हो रही हैं। इन दोनों चुनावों में काशी और मथुरा बड़ा मुद्दा बने, तो कोई आश्चर्य नहीं है। दोनों मन्दिर बिहार से सटे उत्तर प्रदेश के दो छोरों पर स्थित हिंदुओं के दो बड़े पवित्र एवं पावन धर्मस्थल हैं। मथुरा में श्रीकृष्ण मंदिर भगवान कृष्ण के जन्मस्थान के रूप में और वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर भगवान शिव के ज्योतिर्लिंग के रूप में हिंदू धर्म में अत्यधिक महत्वपूर्ण आस्था-स्थल हैं, जहाँ लोग मोक्ष प्राप्ति के लिए आते हैं। दोनों मंदिर हिंदू धर्म में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं और करोड़ो भक्तों को आकर्षित करते हैं, दोनों मंदिर भारतीय संस्कृति और इतिहास का अहम हिस्सा हैं और उनकी धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को दशार्ते हैं।

काशी में विश्वनाथ और मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर का पुनरुद्धार केवल भौतिक संरचनाओं को पुनर्स्थापित करने का प्रयास नहीं है-यह भारत के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक सार को पुनर्जीवित करने एवं आहत हिन्दू आस्था पर मरहम लगाने का आह्वान है। सनातन धर्म की शाश्वत विरासत के प्रतीक ये मंदिर आक्रमणकारियों के सदियों के हमलों के बावजूद हिंदुओं की दृढ़ता और भक्ति के प्रमाण हैं। इन पवित्र स्थलों को पुनः प्राप्त करना हमारे पूर्वजों के बलिदान का सम्मान करने, हमारी विरासत को संरक्षित करने और हमारी समृद्ध परंपराओं को आने वाली पीढ़ियों तक पहुँचाने का कार्य है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हिंदू मंदिरों के बारे में सच्चाई सबके सामने है, लेकिन ये मामले अनसुलझे हैं। ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के ये स्थल लंबी अदालती लड़ाई के बावजूद अभी भी न्याय का इंतजार कर रहे हैं।

दत्तात्रेय होसबले का यह साक्षात्कार महत्वपूर्ण होने के साथ दूरगामी सोच से जुड़ा है। हालांकि, होसबले ने अपने इसी इंटरव्यू में देश की सभी मस्जिदों को मुद्दा बनाने की प्रवृत्ति को सामाजिक ताने-बाने के लिए नुकसानदेह बताकर संतुलन साधने की कोशिश की है। इससे पहले संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा था कि हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग तलाशना सही नहीं है। भले ही पिछले साल दिसंबर में मस्जिदों को लेकर उठ रहे विवाद को शांत करने का उन्होंने यह प्रयास किया था। लेकिन काशी और मथुरा भी उसमें शामिल रहे हो, ऐसा कैसे सोचा जा सकता है? होसबले ने इस साक्षात्कार में गौ हत्या, लव जिहाद और धर्मांतरण जैसी चिंताओं को स्वीकार किया। उन्होंने अस्पृश्यता यानी छुआछूत को खत्म करने, युवाओं में संस्कृति के संरक्षण और देशी भाषाओं की सुरक्षा जैसे समकालीन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। भाषा नीति पर होसबाले ने त्रिभाषी दृष्टिकोण का समर्थन किया और इसे 95 प्रतिशत भाषाई विवादों का समाधान बताया। उन्होंने भारतीय भाषाओं के संरक्षण और उनमें शिक्षित लोगों के लिए आर्थिक अवसर सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर दिया।

होसबोले ने कहा कि लोगों को यह समझना चाहिए कि वैश्विक भूराजनीति में महत्वपूर्ण बदलाव हुए हैं। यदि भारत में हिंदू समाज मजबूत और संगठित नहीं है, तो केवल अखंड भारत के बारे में बोलने से परिणाम नहीं मिलेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अतीत की खोज में लगे रहने से समाज अन्य महत्वपूर्ण सामाजिक परिवर्तनों पर अपना ध्यान केंद्रित नहीं कर पाएगा, जैसे अस्पृश्यता को समाप्त करना, युवाओं में मूल्यों का संचार करना तथा संस्कृति और भाषाओं को संरक्षित करना। निश्चित ही होसबले के बोल से जहां हिन्दू धर्म एवं संस्कृति की रक्षा को बल मिला है, वहीं राष्ट्रीयता भी मजबूत होती हुई दिख रही है। संघ की स्थापना भी इसी उद्देश्य एवं राष्ट्रवादी आंदोलन को एक मजबूत सांस्कृतिक आधार देने के लिए की गई थी। हमारी सदियों पुरानी प्राचीन सभ्यताएं जो धर्म, अहिंसा और भक्ति के सिद्धांतों पर आधारित थी उपनिवेशवाद के शोर में अपनी आवाज खो न जाये, हिन्दू समाज पर रह-रह हो रहे हमले रूके, हिन्दू एवं सनातन संस्कृति को सलक्ष्य कुचलने के प्रयास विराम पाये-इन जटिल स्थितियों में भारत के लोगों को एक सांस्कृतिक छत्र के नीचे एकजुट करने की दृष्टि से होसबले ने जगाया है, चेताया है, संगठित होने का आह्वान किया है। निश्चित तौर पर इन दोनों मन्दिर मुद्दों को नए सिरे से हवा देने की इस कवायद ने संघ विरोधियों एवं मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करने वालों के सामने एक नई गंभीर चुनौती पेश की है। खासकर यह देखते हुए कि अयोध्या की रणनीतिक सफलता ने हिंदुत्व की राजनीति का आधार मजबूत किया है, हिन्दुओं को संगठित किया है।

मंदिर-मस्जिद विवाद के बीच संघ की तरफ से पहले भी कई बयान आते रहे हैं। ये बयान दशार्ते हैं कि संघ भले ही सीधे-सीधे विवाद से खुद को भले ही अलग रखता हो, वैचारिक रूप से वह इनको पूरा समर्थन देता है। संघ का समर्थन देश को अराजक बनाने का कभी नहीं रहा, उसके सामने बड़ा लक्ष्य देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का भी है। बांग्लादेश समेत कई पड़ोसी देशों में भारत-विरोधी शक्तियां नए सिरे से सक्रिय होने लगी हैं, उनसे लड़ने की ताकत एवं रणनीति भी संघ चाहता है। संघ सामंजस्यपूर्ण और संगठित भारत के आदर्श को आकार देने के लिये प्रतिबद्ध है। श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति जैसे आंदोलनों ने भारत के सभी वर्गों और क्षेत्रों को सांस्कृतिक रूप से संगठित किया। राष्ट्रीय सुरक्षा से लेकर सीमा सुरक्षा, शासन में सहभागिता से लेकर ग्रामीण विकास तक, राष्ट्रीय जीवन का कोई भी पहलू संघ के स्वयंसेवकों से अछूता नहीं है। सौ वर्षों की संघ यात्रा हिन्दू एकता, विश्व शांति व समृद्धि के साथ सामंजस्यपूर्ण और एकजुट भारत के भविष्य के संकल्प के साथ-साथ काशी-मथुरा के मुद्दे से भी जुड़ी है। हिंदुओं को बचाने और उन्हें सम्मान और गरिमा के साथ देश सेवा में तत्पर करने के लिये उनकी आस्था एवं अस्तित्व पर लगे घावों को तो भरना ही होगा।

वक्फ संशोधन बिल के कानून बनते ही होंगे बड़े बदलाव

लोकसभा में बुधवार को वक्फ संशोधन बिल पारित गया। इस पर करीब 12 घंटे की चर्चा के बाद रात 2 बजे हुई वोटिंग में 520 सांसदों ने हिस्सा लिया। इस दौरान 288 ने पक्ष में जबकि 232 ने विपक्ष में वोट डाले। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने इसे उम्मीद (यूनीफाइड वक्फ मैनेजमेंट इम्पावरमेंट, इफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट) नाम दिया है। अब गुरुवार को यह बिल राज्यसभा में पेश हो गया है। राज्यसभा से पारित कराकर इसे राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। राष्ट्रपति की मुहर लगने के बाद यह बिल कानून के रूप में देश में वक्फ संपत्तियों पर लागू हो जाएगा।

वक्फ बोर्ड संशोधन बिल के पारित होते ही वक्फ कानून में बड़े बदलाव होंगे। कानून के लागू होने के 6 महीने के भीतर हर वक्फ संपत्ति को सेंट्रल डेटाबेस पर रजिस्टर्ड करना अनिवार्य होगा। वक्फ में दी गई जमीन का पूरा ब्यौरा ऑनलाइन पोर्टल पर 6 महीने के अंदर अपलोड करना होगा और कुछ मामलों में इस टाइम लिमिट को बढ़ाया भी जा सकेगा।

वक्फ को डोनेशन में दी गई हर जमीन का ऑनलाइन डेटाबेस होगा और वक्फ बोर्ड इन प्रॉपर्टीज के बारे में किसी बात को छिपा नहीं पाएगा। किस जमीन को किस व्यक्ति ने डोनेट किया, वो जमीन उसके पास कहां से आई, वक्फ बोर्ड को उससे कितनी इनकम होती है, उस प्रॉपर्टी की देख-रेख करने वाले 'मुतव्वली' को कितनी तनख्वाह मिलती है, यह जानकारी ऑनलाइन पोर्टल पर मुहैया होगी। इससे वक्फ की प्रॉपर्टीज में ट्रांसपरेंसी आएगी और वक्फ को होने वाला नुकसान भी कम होगा। किसी भी विवाद की स्थिति में स्टेट गवर्नमेंट के अफसर को यह सुनिश्चित करने का अधिकार होगा कि संपत्ति वक्फ की है या सरकार की। हालांकि बिल के प्रावधान को लेकर विपक्ष ने कड़ी आपत्ति जताई है। विपक्षी सांसदों का कहना है कि अफसर सरकार के पक्ष में फैसला करेंगे और यह भी तय नहीं है कि अफसर कितने दिन में किसी विवाद का निपटारा करेंगे।

लोकसभा से पास बिल में कहा गया है कि अब डोनेशन में मिली प्रॉपर्टी ही वक्फ की होगी। जमीन पर दावा करने वाला ट्रिब्यूनल,रेवेन्यू कोर्ट में अपील कर सकेगा। साथ ही सिविल कोर्ट या हाईकोर्ट में अपील हो सकेगी। ट्रिब्यूनल के फैसले को चुनौती दी जा सकेगी। मामले में वक्फ ट्रिब्यूनल के फैसले के खिलाफ 90 दिनों में रेवेन्यू कोर्ट, सिविल कोर्ट और हाई कोर्ट में अपील दायर करने का लोगों के पास अधिकार होगा, जो मौजूदा कानून में नहीं है। केंद्र और राज्य सरकारों के पास वक्फ के खातों का ऑडिट कराने का अधिकार होगा, जिससे किसी भी तरह के भ्रष्टाचार को रोका जा सकेगा। वक्फ बोर्ड सरकार को कोई भी जानकारी देने से मना नहीं कर सकता और वक्फ बोर्ड यह भी नहीं कह सकता कि कोई जमीन सैकड़ों साल पहले से किसी धार्मिक मकसद से इस्तेमाल हो रही थी तो वो जमीन उसकी है। बता दें कि वर्ष 1950 में पूरे देश में वक्फ बोर्ड के पास सिर्फ 52 हजार एकड़ जमीन थी, जो वर्ष 2009 में 4 लाख एकड़ हो गई। 2014 में 6 लाख एकड़ हो गई और अब वर्ष 2025 में वक्फ बोर्ड के पास देश की कुल 9 लाख 40 हजार एकड़ जमीन है।

कोई भी व्यक्ति उसी जमीन को डोनेट कर पाएगा जो उसके नाम पर रजिस्टर्ड होगी। वक्फ भी ऐसी संपत्तियों पर अपना दावा नहीं कर पाएगा जहां कोई व्यक्ति किसी और के नाम पर रजिस्टर्ड जमीन को दान में देता है। इसे अनलीगल माना जाएगा। खास बात यह है कि 'वक्फ-अल-औलाद' के तहत महिलाओं को भी वक्फ की जमीन में उत्तराधिकारी माना जाएगा। यानी जिस परिवार ने वक्फ की जमीन वक्फ-अल-औलाद के लिए डोनेशन में दी है, उस जमीन से होने वाली इनकम सिर्फ उन परिवारों के पुरुषों को नहीं मिलेगी, बल्कि इसमें महिलाओं का भी हिस्सा होगा।

जिन सरकारी प्रॉपर्टीज पर वक्फ अपना कब्जा बताता आ रहा है, उनको पहले दिन से ही वक्फ की प्रॉपर्टी नहीं माना जाएगा। अगर ये दावा किया जाता है कि कोई सरकारी प्रॉपर्टी वक्फ की है तो ऐसी स्थिति में राज्य सरकार मामले की जांच कराएगी। जांच-पड़ताल करने वाला अफसर कलेक्टर रैंक से ऊपर का होगा। जांच रिपोर्ट में वक्फ का दावा गलत निकलता है तो सरकारी प्रॉपर्टी का पूरा ब्यौरा राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज होगा।

साथ ही यह सरकारी प्रॉपर्टी वक्फ की नहीं मानी जाएगी। ये नियम उन सरकारी प्रॉपर्टीज पर भी लागू होंगे, जिन पर पहले से वक्फ का दावा और कब्जा है। सबसे बड़ा बदलाव ये आएगा कि वक्फ बिना किसी दस्तावेज और सर्वे के किसी जमीन को अपना बताकर उस पर कब्जा नहीं कर सकेगा। कोई अन्य प्रॉपर्टी या जमीन वक्फ की है या नहीं, इसकी जांच कराने के लिए राज्य सरकार को जरूरी अधिकार दिए गए हैं।

एक बड़ा बदलाव यह भी आएगा कि गैर-मुस्लिमों को वक्फ बोर्ड में शामिल करना जरूरी होगा। वक्फ बोर्ड में दो महिलाओं के साथ दूसरे धर्म से जुड़े दो लोग शामिल होंगे। वक्फ बोर्ड में नियुक्त किए गए सांसद और पूर्व जजों का भी मुस्लिम होना जरूरी नहीं होगा। सरकार के मुताबिक इस प्रावधान से वक्फ में पिछड़े और गरीब मुस्लिमों को भी जगह मिलेगी और वक्फ में मुस्लिम महिलाओं की भी हिस्सेदारी होगी।

राज्यों के वक्फ बोर्ड में भी दो मुस्लिम महिलाएं और दो गैर-मुस्लिम सदस्य जरूर होंगे। साथ ही शिया, सुन्नी और पिछड़े मुस्लिमों से भी एक-एक सदस्य को जगह देना अनिवार्य होगा। इनमें बोहरा और आगाखानी समुदायों से भी एक-एक सदस्य होना चाहिए। इन दोनों मुस्लिम संप्रदायों के लिए अलग-अलग वक्फ बोर्ड बनाने का भी प्रावधान इस कानून में जोड़ा गया है।

बता दें कि 8 अगस्त, 2024 को लोकसभा में दो बिल, वक़्फ़ (संशोधन) बिल, 2024 और मुसलमान वक़्फ़ (निरसन) बिल, 2024 पेश किए गए। इनका मकसद वक्फ बोर्ड के काम को सुव्यवस्थित और वक्फ की प्रॉपर्टीज का बेहतर मैनेजमेंट करना है। वक्फ (संशोधन) बिल, 2024 का मकसद वक्फ अधिनियम, 1995 में संशोधन करना है, ताकि वक्फ संपत्तियों के रेगुलेशन और मैनेजमेंट में आने वाली समस्याओं और चुनौतियों का समाधान किया जा सके। संशोधन विधेयक का उद्देश्य देश में वक्फ संपत्तियों के मैनेजमेंट में सुधार करना है। इसका मकसद पिछले कानून की खामियों को दूर करना और अधिनियम का नाम बदलने जैसे बदलाव करके वक्फ बोर्डों की कार्यकुशलता को बेहतर करना भी है।

भारत में वक्फ संपत्तियों का रेगुलेशन वक्फ अधिनियम, 1995 के तहत किया जाता है। वक्फ मैनेजमेंट में केंद्रीय वक्फ परिषद (सीडब्ल्यूसी), राज्य वक्फ बोर्ड (एसडब्ल्यूबी) और वक्फ ट्रिब्यूनल शामिल हैं। केंद्रीय वक्फ परिषद सरकार और राज्य वक्फ बोर्डों को नीतियों पर सलाह देती है, लेकिन वक्फ संपत्तियों को सीधे नियंत्रित नहीं करती है। जबकि राज्य वक्फ बोर्ड प्रत्येक राज्य में वक्फ संपत्तियों की देखभाल और सुरक्षा करते हैं। वहीं वक्फ ट्रिब्यूनल विशेष न्यायिक निकाय होते हैं, जो वक्फ संपत्तियों से संबंधित विवादों को निपटाते हैं।

वक्फ संपत्तियों में बदलाव नहीं करने का नियम विवादित रहा है। एक बार वक्फ, हमेशा वक्फ के सिद्धांत ने विवादों को जन्म दिया है। दूसरा, कानूनी विवाद और मिसमैनेजमेंट पर भी सवाल उठते रहे हैं। वक्फ अधिनियम, 1995 और इसका 2013 का संशोधन प्रभावकारी नहीं रहा है जिसकी वजह से वक्फ भूमि पर अवैध कब्जा, कुप्रबंधन और मालिकाना हक का विवाद, प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन और सर्वेक्षण में देरी, बड़े पैमाने पर मुकदमों को लेकर चिंताएं जाहिर की जाती रही हैं।

गुजरात और उत्तराखंड जैसे राज्यों में अभी तक सर्वेक्षण शुरू नहीं हुआ है। उत्तर प्रदेश में 2014 में आदेशित सर्वेक्षण अभी भी लंबित है। विशेषज्ञता की कमी और राजस्व विभाग के साथ खराब कोर्डिनेशन ने रजिस्ट्रेशन प्रोसेस को धीमा कर दिया है। कहा जाता है कि कुछ राज्य वक्फ बोर्डों ने अपनी शक्तियों का दुरुपयोग किया है, जिसकी वजह से सामुदायिक तनाव पैदा हुआ है। यह भी आरोप है कि निजी संपत्तियों को वक्फ संपत्ति घोषित करने के लिए वक्फ अधिनियम की धारा 40 का दुरुपयोग किया गया है, जिससे कानूनी लड़ाई और अशांति पैदा हुई है।

अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने विभिन्न स्टेकहोल्डर्स से विचार विमर्श किए, जिसमें सच्चर कमेट की रिपोर्ट, जन प्रतिनिधियों, मीडिया और आम जनता द्वारा कुप्रबंधन, वक्फ अधिनियम की शक्तियों के दुरुपयोग के बारे में जाहिर की चिंताएं शामिल हैं। कानून मंत्रालय ने राज्य वक्फ बोर्डों से भी परामर्श किया। कानून मंत्रालय ने वक्फ अधिनियम, 1995 के प्रावधानों की समीक्षा की प्रक्रिया शुरू की और स्टेकहोल्डर्स के साथ परामर्श किया। दो बैठकों में प्रभावित स्टेकहोल्डर्स की समस्याओं को सुलझाने के लिए इस अधिनियम में उपयुक्त संशोधन करने के लिए आम सहमति बनी। वक्फ संशोधन विधेयक 2024 को वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन और शासन में कमियों को दूर करने के उद्देश्य से 8 अगस्त, 2024 को पेश किया गया था।

बड़वारा में जीएसटी विभाग की बड़ी कार्रवाई

दिल्ली से अंबिकापुर जा रहे तीन कंटेनर जब्त

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, राज्य जीएसटी विभाग ने कटनी के बड़वारा थाना क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कार्यवाही करते हुए दिल्ली से अंबिकापुर जा रहे तीन कंटेनर वाहनों को जब्त किया है। इन वाहनों में परचून का सामान लदा हुआ था। जीएसटी अधिकारियों ने वाहनों के दस्तावेजों में कमियां पाईं, जिसके बाद उन्हें बड़वारा थाना परिसर में खड़ा करवा दिया गया।
जीएसटी निरीक्षक विवेक सिंह बघेल ने बताया कि राज्य जीएसटी के डिप्टी कमिश्नर प्रकाश सिंह के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। प्रारंभिक जांच में तीनों वाहनों के दस्तावेजों में कई अनियमितताएं पाई गई हैं। उन्होंने कहा कि अभी विस्तृत जांच चल रही है और वाहनों में लदे सामान का भौतिक सत्यापन किया जा रहा है। जीएसटी निरीक्षक ने स्पष्ट किया कि जांच में जो भी कमियां पाई जाएंगी, उनके अनुसार नियमों के तहत विधिवत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि विभाग इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतेगा और पूरी पारदर्शिता के साथ जांच की जाएगी। जीएसटी विभाग के अधिकारी फिलहाल वाहनों की जांच में जुटे हुए हैं। वे दस्तावेजों और सामान का मिलान कर रहे हैं। जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि इन वाहनों में कितनी टैक्स चोरी की गई है और इसमें कौन-कौन लोग शामिल हैं।

तेज आवाज वाले साइलेंसर जब्त - प्रशासन

यातायात पुलिस और आरटीओ की टीम ने दी दबिश

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, कटनी जिला प्रशासन, यातायात पुलिस और आरटीओ ने शहर के तीन बड़ी दर्जन ऑटो मोबाइल्स दुकान में छापा मारकर तेज आवाज वाले और डुप्लीकेट साइलेंसर जब्त किए हैं। एसडीएम कटनी प्रदीप मिश्रा के नेतृत्व में कार्यवाही को अंजाम दिया। इस दौरान 170 करीब मोडिफाइड साइलेंसर को जब्त किया गया।
इस कार्यवाही से दुकानदारों में हड़कंप मच गया। एसडीएम प्रदीप मिश्रा ने बताया कि बुलेट में तेज आवाज करने वाले साइलेंसरों को भी जब्त किया गया। एसडीएम प्रदीप मिश्रा ने बताया कि संयुक्त टीम ने साहू ऑटो पार्ट्स, क्वालिटी ऑटो पार्ट्स, राधे राधे ऑटो पार्ट्स और माधवनगर स्थित सबसे बड़े बुलेट हाउस की शॉप पर कार्यवाही की गई। इस कार्यवाही के दौरान 170 करीब साइलेंसरो को जब्त करते हुए असली और नकली की भी जांच की जा रही है। कार्यवाही के दौरान यातायात टीआई राहुल पाण्डे सहित आरटीओ के अधिकारियों कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

सर्वोदय ज्ञान पब्लिक स्कूल का परीक्षा परिणाम हुआ घोषित

उच्च प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को किया गया पुरस्कृत

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
देवबंद । सहारनपुर, सर्वोदय ज्ञान पब्लिक स्कूल के प्रांगण में सत्र 2024-25 की परीक्षा के घोषित परिणाम में उच्च प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। समारोह के प्रथम दिन कक्षा प्ले से 5 तक वरीयता प्राप्त विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि राज्यमंत्री बृजेश सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी श्याम कुमार अग्रवाल, भाजपा नगराध्यक्ष अरूण गुप्ता द्वारा पदक देकर विद्यार्थियों का उत्साह वर्धन किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य रूपेश कुमार सैनी द्वारा अतिथियों का शॉल व स्मृति चिह्न देकर सम्मान किया गया। विद्यालय के विषय में बताते हुए उन्होंने कहा कि विद्यालय में छात्रों को प्रार्थना सभा से ही योगा के साथ-साथ संस्कार भी सिखाए जाते है जिससे वह बलवान व संस्कार बन सकें। वरीयता प्राप्त विद्यार्थियों में वैदिक, नींव पंवार, आयांश कौशिक, हार्दिक सैनी, मैथली सैनी, अनाया, मयंक, आरव कौशिक, ऐना सिंह, आराधया श्री, आदिति सैनी, गुंजन, मीत, महक, हुमेरिया, अक्षित सैनी, अनवी राना, अनुशा, अथर्व, गरिमा सैनी, वैदांत सैनी, आराध्या धीमान, आराध्या सैनी, दिया पाहिवाल, अशिंका सैनी आदि शामिल रहे।राजेश अनेजा, राम मोहन सैनी, अजय गर्ग, पवन धीमान, राजू सैनी, कुलदीप सैनी सभासद, बिट्टू त्यागी, राजकुमार भटनागर आदि ने सम्मान समारोह कार्यक्रम की प्रशंसा की।

आगामी कार्यक्रमों को लेकर भाजपा की कामकाजी बैठक हुई संपन्न

सुशील सोनी । सिटी चीफ
अनूपपुर, भाजपा कार्यालय अनूपपुर में 3 अप्रैल 2025 को संगठन की कामकाजी बैठक संपन्न हुई बैठक में प्रमुख रूप से कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त रामलाल रौतेल भाजपा जिला प्रभारी मिथिलेश पयासी भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम पूर्व जिला अध्यक्ष अनिल गुप्ता रामदास पुरी आधा राम वैश्य जिला महामंत्री अखिलेश द्विवेदी जितेंद्र सोनी उपस्थित रहे।

भारत को मिल रही नई दिशा
संगठन की कामकाजी बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने कहा कि संगठन के द्वारा दिए गए कार्यों को हम सभी को मिलकर प्राथमिकता के आधार पर करना है आजीवन सहयोग निधि, मंडल कार्यकारिणी का गठन एवं 6 अप्रैल को भाजपा का स्थापना, दिवस 14 अप्रैल को डॉ भीमराव अंबेडकर जी की जयंती जैसे कार्यक्रम को प्राथमिकता के आधार पर हमें करना है।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं भाजपा के नीतियों को संगोष्ठी के माध्यम से जनता के बीच हमें अपनी बात रखनी है, पहले क्या स्थिति थी और भाजपा सरकार आने के बाद हमारे देश और प्रदेश में क्या परिवर्तन हुए हैं यह आज के युवा पीढ़ी को बताने की आवश्यकता है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत को नई दिशा दे रहे हैं और हमारा देश प्रगति के पद पर आगे बढ़ रहा है ।

संगठन के सिद्धांतों को जनता तक पहुंचाएं कामकाजी बैठक को मध्य प्रदेश के कोल विकास पर प्राधिकरण के अध्यक्ष रामलाल रौतेल ने संबोधित करते हुए कहा कि आज परिस्थितियों हमारे अनुकूल हैं हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम केंद्र व राज्य सरकार के द्वारा चलाई जा रही तमाम योजनाओं की जानकारी जनता के बीच लेकर पहुंचे हम अपने सिद्धांतों को आम जनता तक पहुंचने के लिए कार्य करें। उत्साहवर्धन के साथ हमें अपने कार्य को पूर्ण करना है। संगठन आज युवाओं को मौका दे रही है कार्य करने वाले हर कार्यकर्ता को अवसर मिलेगा। हमें युवा जिला अध्यक्ष के साथ कदम से कदम मिलाकर कार्य करना है और संगठन को आगे गति प्रदान करना है ।

संगठन के कार्यों की हुई समीक्षा
भाजपा संगठन के जिला प्रभारी मिथिलेश पयासी ने कामकाजी बैठक में उपस्थित सभी जिम्मेदार कार्यकर्ता और पदाधिकारियों से संगठन द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर बातचीत की और कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने संगठन और सरकार के तमाम पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कार्यकर्ताओं से पूरी ऊर्जा के साथ मैदान में काम करने की अपील की।
इस बैठक में भाजपा के जिला पदाधिकारी मोर्चा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष नगर पालिका/ नगर परिषद के अध्यक्ष जनपद के अध्यक्ष के अलावा अपेक्षित कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का संचालन जिले के महामंत्री जितेंद्र सोनी आभार प्रकट जिले के महामंत्री अखिलेश द्विवेदी के द्वारा किया गया उपरोक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह द्वारा दी गई।

रामनवमी के अवसर पर मंदिरों एवं शक्तिपीठों में होंगे भव्य भक्ति कार्यक्रम

24 घण्टे चलेगा अखण्ड रामायण पाठ

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, जिलाधिकारी मनीष बंसल ने बताया कि अष्टमी एवं रामनवमी के अवसर पर जनपद के राम मंदिरों, हनुमान मंदिरों, देवी मंदिरों, वाल्मीकि मंदिरों, शक्तिपीठों में भव्यपूर्ण देवी गायन, दुर्गासप्तशती पाठ, अखण्ड रामायण पाठ के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन हेतु जनपद स्तरीय, तहसील स्तरीय एवं विकास खण्ड स्तरीय समिति का गठन करते हुए कार्यक्रम सम्पन्न कराया जाएगा। डीएम मनीष बंसल ने बताया कि रामनवमी के उपलक्ष्य में चयनित मंदिरों में 05 अप्रैल अष्टमी के दिन प्रात: 11:00 बजे से 06 अप्रैल रामनवमी के दिन प्रात: 11:00 बजे तक भव्यपूर्ण देवी गायन, दुर्गासप्तशती पाठ, अखण्ड रामायण पाठ किया जाएगा।

संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुए बालक का शव गन्ने के खेत में पड़ा मिला

पुलिस जांच में जुटी

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर । देवबंद, संदिग्ध परिस्थितियों में पिछले करीब नौ दिन से लापता आठ वर्षीय बालक का शव गन्ने के खेत में पड़ा हुआ मिला। पुलिस ने बच्चे के शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी भेज दिया है। परिवार वालों का आरोप है कि बच्चे की निर्मम हत्या की गई है क्योंकि उसके शरीर पर चोट के निशान मौजूद हैं। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार मोहल्ला पठानपुरा निवासी राशिद का आठ वर्षीय बेटा साजिद पिछले 25 मार्च को घर के बाहर खेलते समय संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया था। बच्चे के वापस न लौटने पर परिजनों ने कोतवाली पहुंच बच्चे को सकुशल बरामद कराने की मांग की थी। इस मामले में राशिद ने अपने ही ससुरालियों पर बच्चें को उठा ले जाने का आरोप लगाते हुए नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई थी। तभी से पुलिस घटना की जांच में जुटी हुई थी। इसी दौरान भायला मार्ग पर पुलिस को गन्ने के खेत में किसी बच्चे का शव पड़ा होने की सूचना मिली। जिसके बाद तुरंत पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेते हुए शिनाख्त कराई तो उसकी पहचान राशिद के लापता बेटे साजिद के रूप में हुई। बच्चे की लाश मिलने की सूचना से परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक बालक के शरीर पर कई जगह चोट के निशान हैं जिसके चलते परिजन बच्चे की हत्या होने की बात कह रहे हैं। देवबंद कोतवाली प्रभारी बीनू चौधरी का कहना है कि मृतक बच्चे का पोस्टमार्टम कराया गया है। रिपोर्ट आने के बाद मौत का सही कारण पता चलेगा। मासूम बच्चे का शव जैसे ही पोस्टमार्टम के बाद घर पहुंचा तो परिजनों में कोहराम

मच गया। मृतक के घर पर मौजूद सैकड़ों लोग शव लेकर नगर के सुभाष चौक पहुंच गए और सडक़ पर रखकर जाम लगा दिया। आक्रोशित भीड़ का कहना था कि हत्यारोपियों को तुरंत गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। जाम की सूचना मिलते हुए सीओ रविकांत पाराशर व कोतवाल बीनू चौधरी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और हंगामा कर रहे लोगों को जल्द से जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया। जिसके बाद परिजन बच्चे का शव लेकर वापस लौट गए।

एक युवक ने नुकीली वस्तु से अपना गला रेत लिया, हालत में सुधार

खरगोन जिले के कसरावद थाना क्षेत्र के मछली बाजार क्षेत्र में गुरुवार दोपहर उस वक्त अफरातफरी मच गई जब मोहल्ले के ही एक युवक ने नुकीली वस्तु से अपना गला रेत लिया। जिला अस्पताल से मिली जानकारी अनुसार कसरावद निवासी जैकी रमेश चौहान (35) ने खुद का गला काटने का प्रयास किया है। फिलहाल स्थिति में सुधार है। घायल के बेटे वीर ने बताया कि उसके पिता नशे के आदि है। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करते है। गुरुवार को उन्होंने मछली बाजार में कांच के टुकड़े से खुद के गले में वार कर लिया। बार-बार वार करने से उन्हें खून बहने लगा। लोगों की मदद से कांच छुडवाने के बाद अस्पताल लाए। चिकित्सक रविंद्र गुप्ता ने बताया कि गले में धारदार चीज से वार के निशान है। जख्म गहरे नही है। हालत में सुधार है।

माध्यमिक विद्यालय कागदीपुरा में धरमपुरी विधायक कालू सिंह ठाकुर ने बच्चों को तिलक लगाकर एवं पुस्तक वितरण कर विद्यालय में प्रवेश

बच्चों के प्रथम श्रेणी पर आने पर प्रतिवर्ष विद्यालय को दी जाएगी राशि, स्कूल के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी विधायक कालूसिंह ठाकुर

धार नालछा/ धार जिले के नालछा विकासखंड के माध्यमिक विद्यालय कागदीपुरा में विधायक कालू सिंह ठाकुर के मुख्य अतिथि में प्रवेश उत्सव मनाया गया। इस दौरान विधायक श्री ठाकुर ने नवीन प्रवेशी बच्चों को तिलक लगाकर एवं पुष्प माला पहनकर स्वागत किया साथ ही निशुल्क पुस्तक देकर बच्चों का विद्यालय का प्रवेश करवाया।विद्यालय परिवार की मांग पर विधायक ठाकुर ने स्कूल परिसर में पैवर्स लगाने की घोषणा की जिसका सभी ग्राम वासियों ने जोरदार स्वागत किया।

सरस्वती पूजन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। विधायक श्री ठाकुर ने यहां स्कूल के शिक्षक बच्चों एवं जनप्रतिनिधियों की मांग पर विद्यालय परिसर में पैवर्स लगाने के लिए राशि देने की घोषणा की साथ ही ग्रामीणों की मांग पर पेयजल टैंकर एवं यात्री प्रतीक्षालय देने की की घोषणा भी की। विधायक श्री ठाकुर ने कहा कि कागदीपुरा का विद्यालय मध्य प्रदेश ही नहीं बल्कि देशभर में प्रसिद्ध है। यहां बच्चों को गुणवत्ता युक्त पढ़ाई की जा रही है। विधायक श्री ठाकुर ने राष्ट्रपति अवार्ड से सम्मानित शिक्षक सुभाष यादव को पुष्प माला पहनकर सम्मानित करते हुए कहा कि विद्यालय के बच्चे प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होंगे तो वह अगले वर्ष फिर प्रवेश उत्सव में आकर विद्यालय के विकास एवं बच्चों की सुविधा के लिए राशि देंगे।उन्होंने कहा कि विद्यालय के विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। विद्यालय की कार्य योजना के संबंध में शिक्षक सुभाष यादव ने जानकारी दी।

इन्होंने किए विचार व्यक्त कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष रघु निनामा, जनपद उपाध्यक्ष एवं शिक्षा समिति सदस्य जनपद सदस्य प्रियंका पटेल, विकासखंड शिक्षा अधिकारी , बी, एम, चौरसिया, खंड स्त्रोत समन्वयक राजेश शिंदे, जनपद सदस्य पवन कुशवाह, भाजपा नेता विनोद ठाकुर, सरपंच कैलाश मावी,पत्रकार ऋषिराज जायसवाल, विनीत सिंह यादव, आदि ने विचार व्यक्त किये।

कक्षा में जाकर शैक्षणिक व्यवस्थाएं देखी कार्यक्रम के पश्चात विधायक श्री ठाकुर ने यहां प्राथमिक विद्यालय में जाकर बच्चों को दी जा रही है शैक्षणिक व्यवस्था को देखा। यहां वेस्टेज मटेरियल से बनाए गए अलग-अलग तरीके शिक्षण सामग्री पर हो रहे नवाचार व पढ़ने के तरीके को देखकर विधायक श्री ठाकुर काफी प्रभावित हुए। उन्होंने बच्चों के शैक्षणिक स्तर को देखकर काफी प्रशंसा की।

बदनावर में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आगमन की तैयारी

धार

धार केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रस्तावित दौरे को लेकर प्रशासनिक तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा और एसपी मनोज कुमार सिंह ने कार्यक्रम स्थल उज्जैन-बदनावर हाईवे पर खेड़ा आइलैंड का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा की।कार्यक्रम सात अप्रैल को होना प्रस्तावित है।

बांसखेड़ी पंचायत बेस्ट ,विकास रावत सचिव दादौल को बेस्ट सचिव ,जीतेन्द्र रावत को बेस्ट जीआरएस ऑफ दी मंथ का मिला पुरुस्कार

शिवपुरी बेस्ट इंजीनियर नीरज खरे ,बेस्ट पीसीओ मुकेश पराशर को शील्ड और प्रशस्ति पत्र से किया गया सम्मानित जनपद शिवपुरी में हर माह बेस्ट पंचायत ,बेस्ट सचिव ,बेस्ट जीआरएस ,बेस्ट पीसीओ ,बेस्ट इंजीनियर का अवार्ड उत्साहवर्धन के लिए दिया जाता है ,ये अवार्ड नरेगा लेबर बजट ,नरेगा कार्यों की पूर्णता ,आवास पूर्णता ,सम्बल ,पेंशन आदि योजनाओ में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर समिति के द्वारा अनुशंसा के आधार पर दिया जाता है जिस से पंचायत स्तरीय अमले को हतोत्साहित होने से बचाया जा सके ! माह मार्च में सर्वश्रेष्ठ प्रगति लाने पर बांसखेड़ी पंचायत को बेस्ट पंचायत ,विकास रावत सचिव दादौल को बेस्ट सचिव ,जीतेन्द्र रावत जीआरएस बांसखेड़ी को बेस्ट जीआरएस ,पीसीओ मुकेश पराशर को बेस्ट पीसीओ ,इंजीनियर नीरज खरे को बेस्ट इंजीनियर के अवार्ड से नवाजा गया ! जैसा कि विदित है अच्छा प्रदर्शन करने पर सारा श्रेय वरिष्ठ अधिकारी ले जाते है ,और ख़राब प्रगति पर कार्यवाही निचले स्तर पर की जाती है जिस से निचले कर्मचारी हतोत्साहित होते है इसी से बचने के लिए अच्छे कार्य करने के लिए शिवपुरी जनपद में अब हर माह सचिव ,जीआरएस पीसीओ ,इंजीनियर को सम्मानित किया जाता है

महिलांओ ने बाना निकालकर, खेली फुल, पाती

खरगोन जिले के कसरावद में गणगौर पर्व उत्साह से मनाया जा रहा है। बुधवार को गणगौर माता बाड़ी पहुंची। गुरुवार को महिलाओं ने बाना निकालकर फूल पाती खेली नगर में सैकड़ो महिलाएं एकत्रित हुई। सिर पर सेहरा बांधकर दूल्हा , दुल्हन बनी महिलाएं पारंपरिक परिधान में पाती खेलने निकली। बैंड बाजो और ढोल, ताशा की धुन पर माता की बाड़ी पहुंची। महिलाओं ने गणगौर गीतों पर नृत्य किया पूरे नगर में पर्व का उत्साह दिखा माता की बाड़ी खुलने के बाद से ही माहौल उत्सवमयी है। बालिकाये भी आयोजन में शामिल हुई। एवं रथ बोढाने का भी सिलसिला शुरू हुआ। जहां मन्नत अनुसार जगह-जगह भंडारे का भी आयोजन हुआ।

विहिप ने किया जल मंदिर का शुभारंभ

उज्जैन

निप्र.विश्व हिन्दू परिषद सेवा विभाग द्वारा नागदा बाय पास रोड़, मुक्तिधाम मार्ग पर राहगीरों की प्यास बुझाने हेतु शीतल जल मंदिर की स्थापना की गई, जिला सेवा प्रमुख रमेश बालाजी ने बताया की इस स्थान पर लगभग 5 बड़े मंदिर और मुक्तिधाम मार्ग है, साथ ही ग्रामीण जनों का भी बड़ी संख्या में इस मार्ग से आना जाना लगा रहता है जिसे देखते हुए विश्व हिन्दू परिषद द्वारा जल मंदिर की स्थापना की गई । इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में संत श्री श्याम दास जी महाराज, हिन्दू जागरण मंच प्रान्त संयोजक भेरूलाल टांक एवं आरएसएस से विशाल बहेल ने पूजन अर्चन कर जल मंदिर का शुभारंभ किया । इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष देवेंद्र सेन, डी के चौधरी, रेनू दीदी चौधरी, मोनूसिंह टक्कर, व्यापारी संघ अध्यक्ष मनीष जैन, संदीप कच्छवा, विवेक प्रजापत, दीपक चौधरी, नीलेश प्रजापत, मुकेश पहलवान, महेश प्रजापत, मनोहर लाल प्रजापत, दिनेश परमार, मनीष प्रजापत आदि उपस्थित रहे ।

नपं की बजट बैठक. साल 2025-26 के लिए 73 करोड़ ,75 लाख 75 हजार रुपए का बजट

बजट में कोई बड़ा नया प्रोजेक्ट नहीं पुराने प्रोजेक्ट पूरा करने पर जोर आमदनी बढ़ाने का प्रस्ताव नहीं

उन्हेंल- नगर परिषद उन्हेल की आम बजट बैठक गुरुवार को परिषद के सभागृह में हुई बैठक नगर परिषद अध्यक्ष शांतिलाल हलकारा नगरपरिषद उपाध्यक्ष अखिलेश उपाध्याय सभापति राजकुमार जैन सीएमओ कैलाश वर्मा व वार्ड पार्षदों की मौजुदगी में रखी गई बैठक में बजट सहित कुल 13 विषयों में परिषद में विचार विमर्श किया बजट में किसी नए बड़े प्रोजेक्ट को शामिल नहीं किया गया पुराने प्रस्तावित प्रोजेक्ट का पूरा करने पर जोर दिया गया इसमें अमृत 2 अंतर्गत पेयजल योजना नगर में शापिंग कांप्लेक्स अमृत 2 अंतर्गत पार्क निर्माण आदि कार्य भी शामिल किए बजट बैठक में सबसे पहले नगर परिषद द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के अनुमानित आय व्यय पर चर्चा की साथ ही वास्तविक बजट 2024 25 पर विचार विमर्श का परिषद ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि वर्ष 25-26 में विभिन्न मदों में आय राशि 73 करोड़ 75 लाख 75 हजार रुपए के विरुद्ध व्यय राशि 73 करोड़ 64 लाख 30 हजार निकाय की बचत 11 लाख 45 हजार प्रस्तावित की है बजट में शासन नियमनुसार संचित निधि 5 प्रतिशत का प्रावधान किया गया है साथ ही वेतन और अन्य भत्तों पर स्थापना व्यय 35.89 प्रतिशत प्रस्तावित की गई है आगामी विधि वर्ष के प्रस्तावित बजट में आम जनता पर किसी प्रकार का कोई टैक्स में वृद्धि नहीं की गई है

नपं अवैध कॉलोनाइजरों को फायदा पहुंचाने के लिए रणनीति पर बैठक में परिषद अपनी इनकम के लिए के लिए अवैध कालोनियों के कॉलोनाइजरों को फायदा पहुंचाने को लेकर परिषद ने नामांतरण प्रकरण कि सहमति पर भी विचार विमर्श रखें गये सभापति राजकुमार जैन ने न्यू बस स्टैंड का नाम डॉ भीमराव अम्बेडकर नाम से जाना-पहचाना चाहिए जिसको लेकर परिषद द्वारा सहमति भी हुई, पार्षद द्वारकाधीश सोनी ने जुलूस मार्ग अधुरी नाली व सफाई व्यवस्था को लेकर बहस हुई बैठक में अलग-अलग मुद्दों पर पार्षदों कि बहस चलती रही वार्ड क्रमांक 15 में पार्षद प्रतिनिधि ने अपने वार्ड में सफाई नहीं होने को लेकर मुद्दे उठाएं वार्ड क्रमांक 11 पार्षद प्रतिनिधि कन्नू शाह ने परिषद द्वारा मुस्लिम त्योहारों में स्वागत नहीं करने को लेकर बहस हुई वार्ड 10 पार्षद प्रतिनिधि मयूर जैन ने विपट कालोनी में नाली निर्माण नहीं होने को लेकर बहस हुई विपक्षी पार्षदों ने आरोप लगाए कि नगर में कितने विकास कार्य हुए हैं उनकी ढाई साल से अब तक परिषद ने लेखा जोखा भी पार्षदों को उपलब्ध नहीं कराई, है

जल को करेंगे संरक्षित तभी जीवन संरक्षित होगा - विधायक देवेंद्र जैन

शिवपुरी

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत सतेरिया पंचायत के तालाब पर विधायक जैन सहित आमजन ने किया श्रमदान पिछले वर्ष के किये कार्यों के सुखद परिणामो को देखते हुए जनप्रतिनिधि ,प्रशासन ,और आमजन के जलसंरक्षण के प्रयास शुरू जलगंगा संवर्धन अभियान जल संरक्षण की दिशा में कारगर साबित हो रहा है मुख्यमंत्री मोहन यादव लगातार जल संरक्षण हेतु आमजन से अपील करने के साथ इस अभियान की मॉनिटरिंग स्वयं से कर रहे हैं इसी दिशा में कलेक्टर और सीईओ जिला शिवपुरी के द्वारा सूक्ष्मता से कार्ययोजना बनाकर जल सरंक्षण हेतु कार्य किये जा रहे है एवं अधीनस्थों को स्पष्ट निर्देश दिए गए है कि इस अभियान में आमजन का अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करें ,तभी वास्तविकता में इस अभियान की सार्थकता सिद्ध होगी !

इसी क्रम में जनपद शिवपुरी की सटेरिया पंचायत में आज प्राचीन तालाब की गाद निकालने ,अनाश्यक उग आई झाड़ झाड़ियों की साफ़ सफाई के लिए विधायक शिवपुरी देवेंद्र जैन ,जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा यादव ,जनपद अध्यक्ष हेमलता रघुवीर रावत ,समाजसेवी यशपाल रावत ,मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र रावत के साथ साथ जनपद सीईओ शिवपुरी ,सहायक यंत्री सतेंद्र कुशवाह ,इंजीनियर अरुण अहिरवार के साथ आधा सैकड़ा ग्रामवासी के साथ एकत्रित होकर श्रम दान दिया ! जैसा की विदित है कि शिवपुरी जनपद के द्वारा आमजन के सहयोग से टोंगरा ,कांकर आदि तालाबों की साफ सफाई ,मरम्मत कार्य पिछले वर्ष किये थे जिसके सुखद परिणाम ये है कि इस वर्ष अभी तक पानी भरा हुआ है और इनसे गाँव का जलस्तर भी बढ़ा है इस वर्ष सूखे पड़े कुए ,बोर में पर्याप्त पानी है ! इसी प्रकार के सुखद परिणाम अगले वर्ष सटेरिया के तालाब में भी देखने को मिले ,इसके लिए जनप्रतिनिधियों ,ग्रामीणजनो ने मिलकर आज सटेरिया तालाब पर श्रमदान किया ! विधायक देवेंद्र जैन ने कहा कि आप पानी को बचाएंगे तभी पानी आपको बचाएगा ,हम सभी को पानी के संरक्षण की दिशा में अधिक प्रयास करने होंगे ,तभी आगे की पीढ़ी को पानी मिल पायेगा ! एक एक बूँद संरक्षित करने के लिए एक एक घर एक एक व्यक्ति को प्रयास करने होंगे तभी इस अभियान की सार्थकता होगी !

खुलेआम कट रहा सट्टा पर्ची पैसे डबल की लालच में युवा पीढ़ी पूरे दिन की कमाई फसाकर हो रहे बर्बाद

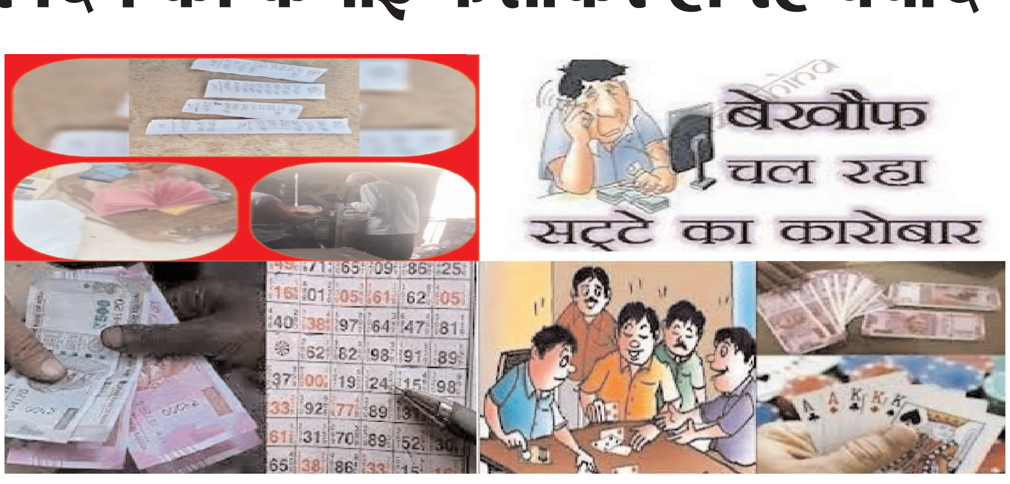

पीथमपुर- औद्योगिक क्षेत्र पीथमपुर में बेखौफ फिर हुआ सट्टा व्यापार गुलजार सेक्टर नंबर,1 पुरानी सब्जी मार्केट स्थित फिर चालू हुआ सट्टा पर्ची का काला कारोबार इस कारोबार में नगर की युवा पीढ़ी पढ़कर हो रही है बर्बाद अपनी दिनभर की मेहनत खून पसीने की कमाई को दोगुना करने की लालच में इन सटोरियों के जाल में फस जाते हैं वह अपनी मेहनत की कमाई को खो बैठते हैं पुलिस प्रशासन की सख्त कार्रवाई होने पर कुछ समय के लिए इन पर लगाई गई थी लगाम फिर से इन लोगों ने प्रशासन को चकमा देकर अब कुछ छोटे-मोटे कारोबार की आड़ में चला रहे हैं यह गोरख धंधा संपूर्ण नगर वासियों का प्रशासन से अनुरोध है कि इन पर पूर्ण तरीके से रोक लगाई जाए जिससे हमारी युवा पीढ़ी बर्बाद होने से बच सके ।

गणगौर पर्व के चलते माहेश्वरी समाज की महिला मंडल ने निकाला चल समारोह

प्रतिदिन फूलपाती का हो रहा आयोजन

अलीराजपुर चैत्र नवरात्र के अवसर पर गणगौर पर्व की धूम मची हुई है माहेश्वरी समाज की महिला मंडल के द्वारा विगत कई दिनों से फूलपाती का आयोजन भी किया जा रहा है रोजाना शाम को 7:00 बजे के लगभग माहेश्वरी महिला मंडल की महिलाएं स्थानीय आचार्य मंदिर पर एकत्रित होती है जहां पर भगवान के भजन और गीत आयोजन किया जाता है इसी क्रम में इस वर्ष महिला मंडल के द्वारा स्थानीय बालाजी गार्डन से एक विशाल चल समारोह निकाला गया जो नगर के प्रमुख मार्ग से होता हुआ आचार्य मंदिर पहुंचा इस दौरान रास्ते में समाज जनों के द्वारा महिला मंडल का जगह-जगह स्वागत किया गया और स्वल्पाहार का वितरण भी किया गया इस दौरान सभी महिलाओं के द्वारा आकर्षक वेशभूषा धारण की गई चल समारोह में जहां महिलाएं ईश्वर गौरा बनकर नजर आई वहीं कई महिलाएं ढोल पर नृत्य करते हुए चल रही थी चल समारोह में महिलाएं काफी उत्साहित नजर आ रही थी

गणगौर माता को सर पर रखकर नचाया गणगौर पर्व के चलते महिलाओं मंडल के द्वारा समाज के पंडित भरत ओझा के घर से गणगौर माता को लेकर नीम चौक पहुंची जहां से वह स्थानीय आचार्य मंदिर पर गणगौर माता को पानी पिलाने के लिए ले जाते हैं और फिर वहां से वापस नरसिंह मंदिर प्रांगण में आते हैं जहां पर महिलाओं के द्वारा गणगौर माता को सिर पर रखकर नचाया गया और गणगौर पर्व की शुभकामनाएं दी

धार्मिक सामाजिक संस्थाओं के द्वारा सड़कों पर किया गया पक्का अतिक्रमण

प्रशासनिक अधिकारियों की अनदेखी के कारण

बरेली। आम नागरिक अगर पास की भूमि पर अतिक्रमण करता है तो जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा तुरंत हस्तक्षेप कर उसे ध्वस्त कर दिया जाता है लेकिन जब धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से ही आवा गमन वाले मार्गों पर पक्का अतिक्रमण कर वहां पर संचालित दुकानदारों के सामने बाधा उत्पन्न की जाती है तो यहां पर हस्तक्षेप नहीं किया जाता। ऐसा ही एक मामला यहां पर आम नागरिक और प्रशासनिक अधिकारियों की आंखों के सामने पनप रहा है। बरेली हिंदू उत्सव समिति बरेली के मैदान के सामने दर्जनों दुकानें जो समिति को मासिक किराया देती है उन दुकानों के सामने मार्ग के ऊपर से बरेली हिंदू उत्सव समिति के वरिष्ठ पदाधिकाकार्यों के द्वारा पक्का निर्माण किया गया है। जबकि दुकानों के ऊपर जाने के लिए अस्थाई रूप से पूर्व में व्यवस्था की गई थी वह व्यवस्था भी यथावत स्थान पर ही स्थापित है उसके बाद भी समिति के माध्यम से पक्का अतिक्रमण किया गया है। 1 महीने पहले नगर से अतिक्रमण हटाओ महिम के अंतर्गत कई लोगों को बेरोजगार किया गया लेकिन नगर प्रशासन और नगर परिषद की दृष्टि इस्पात के अतिक्रमण पर नहीं पड़ी जबकि जिस स्थान पर पक्का अतिक्रमण किया गया है वहां से कुछ ही दूरी पर एसडीएम तहसीलदार के बंगले और शासकीय कार्यालय मौजूद है ।

कोटपा अधिनियम के तहत 14 दुकानों पर जांच कर कार्यवाही की और आठ दुकानदारों पर 4900 रुपये का जुर्माना अधिरोपित किया गया

झाबुआ - कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार आज नगरीय क्षेत्र झाबुआ में स्कूल शैक्षणिक संस्थाओं, कॉलेजो के 100 मीटर की परिधि में तंबाकू/गुटका/सिगरेट इत्यादि अन्य मादक उत्पाद विक्रय किए जाने वालों के विरुद्ध तहसीलदार झाबुआ सुनील डावर, मुख्य नगर पालिका अधिकारी झाबुआ संजय पाटीदार, ड्रग इंस्पेक्टर झाबुआ, सहायक नोडल कोटपा के द्वारा पुलिस प्रशासन के साथ कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान स्कूल, शैक्षणिक संस्था, कॉलेज के समीप 100 मीटर की परिधि में संचालित लगभग 14 दुकानों पर जांच कर कार्यवाही की गई, जिसमें विक्रय किये जा रहे तंबाकू उत्पादों को जप्त किया गया तथा आठ दुकानदारों पर 4900 रुपये का जुर्माना अधिरोपित किया गया। साथ ही चेतावनी भी दी गई कि यदि भविष्य में इस प्रकार से स्कूल क्षेत्र, शैक्षणिक संस्थाओं के 100 मीटर की परिधि में तंबाकू/गुटका/सिगरेट इत्यादि अन्य मादक पदार्थ का विक्रय करते हैं तो उनके विरुद्ध अधिक जुर्माने की कार्यवाही करते हुए प्रकरण दर्ज किया जाएगा ।

अलीराजपुर पुलिस को करीबन 20 लाख रूपये की 5720 लीटर अवैध शराब जप्त करने मे मिली सफलता-श्री राजेश व्यास

अलीराजपुर- पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर राजेश व्यास द्वारा बताया गया कि अवैध शराब के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही के निर्देशों के अनुक्रम मे कटिठवाडा थाना क्षेत्रान्तर्गत पुलिस को बडी मात्रा मे अवैध शराब जप्त करने मे सफलता मिली है। थाना प्रभारी कटिठवाडा निरीक्षक सरदारसिंह को दिनांक 02.02.2025 को रोड पेटोलिंग के दौरान मुखबीर के माध्यम से ग्राम मोटीबडोई पुजारा फलिया मे बने सुने मकान मे अवैध रूप से वृहद स्तर पर शराब संगृहित कर रखी होनें की सूचना प्राप्त हुई। थाना प्रभारी कटिठवाडा निरीक्षक सरदारसिंह के द्वारा पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर राजेश व्यास के मार्गदर्शन मे मुखबीर द्वारा बताये स्थान पर अपने अधीनस्थ टीम के साथ त्वरित कार्यवाही करते हुये दबिश दी गई। दबिश के दौरान मुखबीर द्वारा बताये अनुसार ग्राम मोटीबडोई पुजारा फलिया मे बने सुने मकान पर पहुंचे। उक्त सुने मकान के दरवाजे पर ताला लगा हुआ था, जिसे पुलिस टीम के द्वारा तोडकर मकान मे प्रवेश किया गया। मकान के अंदर पुलिस टीम की तलाशी मे बडी मात्रा मे अवैधरूप से अलग-अलग कंपनी की शराब संगृहित कर रखा होना पाया गया, जिसमें रीटज की 135 पेटीयां, गोवा होल की 58 पेटीयां, गोवा व्हीस्की 108 पेटी, रायल सिलेक्ट लेमन जीन की 210 पेटीयां, किंग फिशर एक्सटा स्टांग की 66 पेटीयां एवं माउण्टस बीयर की 41 पेटीयां संगृहित कर छुपाकर रखी हुई थी, जिसे मौके से पुलिस टीम के द्वारा जप्त कर धारा 34-2 आबकारी एक्ट का अपराध क्रमांक 28/2025 पंजीबद्ध किया गया। कुल 5720 लीटर कीमती 20 लाख 52 हजार की जप्त शराब के स्त्रोत के संबंध में कटिठवाडा पुलिस के द्वारा अनुसंधान किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर राजेश व्यास ने बताया कि अलीराजपुर पुलिस की अवैध गतिविधियों में लिप्त असामाजिक तत्वों पर सूक्ष्मता से निगाह रखी जा रही है। अवैध शराब के विरूद्ध कार्यवाही में थाना प्रभारी कटिठवाडा निरीक्षक सरदारसिंह एवं उनकी अधीनस्थ टीम के सदस्य सउनि मधुराजसिंह, सउनि कैलाश, आर 214 अनिल, आर 91 आशीष, आर 267 प्रदीप, उनि पन्नालाल, सउनि मनीष, आर 105 प्रमोद एवं आर 65 विशाल का सराहनीय योगदान रहा है।

बूथ स्तर पर मनाएंगे भाजपा का स्थापना दिवस

- भाजपा की जिला कामकाजी बैठक संपन्न, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा बनी

- 7 से 13 अप्रैल तक गांव चलो अभियान व 14 अप्रैल को बाबा साहेब की जयंती मनाएंगे

खरगोन। भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस 6 अप्रैल को बूथ स्तर पर मनाया जाएगा। साथ ही 14 अप्रैल को प्रत्येक बूथ पर संविधान निर्माता व भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई जाएगी। 7 से 13 अक्टूबर तक 卐गांव चलो अभियान के साथ विभिन्न गतिविधियां होंगी। इसमें प्रमुख रूप से मंदिर, स्कूल, अस्पताल, जलाशयों पर स्वच्छता अभियान संचालित किया जाएगा।यह बात भाजपा की जिला कामकाजी बैठक में संभागीय प्रभारी राघवेंद्र गौतम ने कही। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी प्रकाश भावसार ने बताया गुरुवार को जिला कार्यालय पर हुई बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष नंदा ब्राह्मणे ने की। इस अवसर पर पूर्व राज्यमंत्री व विधायक बालकृष्ण पाटीदार, विधायक सचिन बिरला, पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्रसिंह राठौर, खरगोन नपाध्यक्ष छाया जोशी सहित अन्य पदाधिकारी मंचासीन थे। बैठक में राघवेंद्र गौतम ने कहा कि सौभाग्य का विषय है कि 6 अप्रैल को रामनवमी भी है और भाजपा का स्थापना दिवस भी है। गौतम ने कहा आज भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन है। मध्यप्रदेश सहित देश के अनेक प्रदेशों में हमारी सरकारें हैं। 7 व 8 अप्रैल को मंडल व विधानसभा स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ताओं का सम्मेलन रख प्रदेश व केंद्र सरकार से जुड़े विषयों पर चर्चा करें। 7 से 13 अप्रैल तक गांव चलो अभियान अंतर्गत स्वच्छता अभियान चलाएं। सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों व वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से भेंट करें। सरकारी संस्थाओं का दौरा कर स्वच्छता अभियान चलाएं। गांवों में चौपाल लगाकर केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं पर चर्चा करें। इसी प्रकार 14 अप्रैल को बाबा साहेब डॉ. भीमराम अंबेडकर जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मिठाई वितरण करें। 14 से 25 अप्रैल के बीच दो सत्रों की जिला संगोष्ठि रखें। भाजपा द्वारा बाबा साहेब तथा संविधान के सम्मान व कांग्रेस द्वारा किए अपमान पर वक्ताओं द्वारा विषय रखा जाए।

भाजपा जिलाध्यक्ष श्रीमती नंदा ब्राह्मणे ने गणगौर, नवरात्रि व रामनवनी पर्व की बधाई देते हुए कहा हमें आगामी कार्यक्रमों को बूथ स्तर पर क्रियान्वित करना है। 6 अप्रैल को पार्टी के स्थापना दिवस पर अपने घर, प्रतिष्ठान पर ध्वज फहराए व उस फोटो को पार्टी एप्प पर अपलोड करें। स्थापना दिवस कार्यक्रमों के जिला संयोजक अजीत छाजेड़, सहसंयोजक नवलसिंह पंवार, वीरेंद्र पाटीदार व कृष्णा यादव रहेंगे। इसी प्रकार अंबेडकर जयंती कार्यक्रमों के जिला संयोजक भागीरथ कुमरावत, सहसंयोजक चंद्रशेखर भालसे, मांगीलाल गाड़गे व डॉ. केआर शर्मा रहेंगे। विधायक श्री पाटीदार ने कहा भाजपा का गठन 6 अप्रैल 1980 को हुआ था। 1984 के लोकसभा चुनाव में हमें केवल दो सीटें मिली थीं। आज हम देशभर में जीत के कीर्तिमान बना रहे हैं। केंद्र सरकार वक्फ संशोधन बिल के माध्यम से गरीब, वंचित मुस्लिमों को उनका हक दिला रही है। वन नेशन, वन इलेक्शन कानून भी जल्द लाने वाले हैं। हम देशहित में राजनीति करते हैं। विधायक सचिन बिरला व पूर्व विधायक आत्माराम पटेल ने भी अपनी बात रखी । पूर्व जिलाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह राठौर ने प्रदेश कार्यसमिति में हुए निर्णयों से अवगत कराते हुए कहा हमारी पार्टी ने अपनी राह बदली है और न ही निर्णय। पूरी दृढ़ता के साथ पार्टी आगे बढ़ रही है। बैठक का संचालन चंद्रशेखर भालसे ने किया व आभार अजीत छाजेड़ ने माना।

दो पहिया वाहन विक्रेताओं/शोरुमो का किया निरीक्षण

झाबुआ- माननीय न्यायालय द्वारा वाहन निर्माताओं को वाहन खरीदने के साथ ही निर्धारित मापदण्ड के हेलमेट प्रदाय किये जाने के आदेश दिये गये है है इसी तारतम्य में, पुलिस अधीक्षक झाबुआ पद्मविलोचन शुक्ल के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झाबुआ प्रेमलाल कुर्वे के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस झाबुआ एवं जिला परिवहन विभाग की संयुक्त टीम द्वारा नगर में संचालित दो पहिया वाहन संचालक एवं शोरुम का निरीक्षण किया गया।

मोटरअधिनियम के प्रावधानों के अनुसार दो पहिया वाहन क्रय करते समय क्रेता को हेलमेट खरीदना होगा। यह हेलमेट वाहन निर्माता द्वारा प्रदाय किया जावेगा। हेलमेट खरीदने के प्रमाण के बिना वाहन का पंजीकरण न किये जाने का भी नियम है।

सबुत ओर साक्ष्य होने के बाद भी चोरी कि वारदात का पर्दाफाश न करने पर भानपुरा पुलिस के प्रति जैन समाज का आक्रोश धरने कि चेतावनी

भानपुरा गुरुवार को भानपुरा थाना परिसर में जैन समाज के सेकडो महिला पुरुषों ने एक आवेदन थाना प्रभारी रमेशचंद डांगी को दिया जिसमें गत दिनों अजय हरसोला जैन के सदर बाजार स्थित निवास से सोने के आभूषण चोरी हो गये परिवारिक जानकारी के अनुसार ओर पुछताछ में यह सामने आया कि अजय हरसोला के संस्थान पर कार्यरत नोकर ने ही यह चोरी कि इस पर प्रार्थी श्रीमती अर्चना अजय हरसोला ने एक आवेदन पुर्व में भी दिया ओर आज फिर समाजजनों कि उपस्थिति में एक आवेदन ओर दिया जिसमें दुकान के पुर्व नोकर प्रीतम सेन पिता बालचंद सेन निवासी आमझरी पर आरोप लगाया कि चोरी इसने कि ओर पुछताछ के आडियो, विडियो भी पेश किए लगभग डेढ़ माह बीतने के बाद भी पुलिस द्वारा चोरी का पर्दाफाश न करने पर परिवारजनो व जैन समाज में भारी आक्रोश उत्पन्न हो गया व 3 अप्रेल को एक आवेदन दिया जिसमें चोर को पकड़ने व चोरी का पर्दाफाश तीन दिन में करने को लेकर चेतावनी दी गई अवधि के बाद धरने पर बेठने कि चेतावनी दी गई,आवेदन में कहा गया कि हमने 7 मार्च को ही चोरी का आवेदन दे दिया था कि आरोपी ने लगभग चार से पांच लाख रुपए के सोने के आभूषण जिसमें ब्रेसलेट, अंगुठी,कान के झुमके सहित अन्य आभुषण हे ओर आरोपी से जब हमने पुछताछ कि तो उसने स्वीकार किया कि हा में ले गया ओर मेने किसी तीसरे को दे दी हे इतना प्रमाण होने के बाद भी पुलिस द्वारा चोरी कि घटना का पर्दाफाश न करना पुलिस कि कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान उठा रहा है समाजजनों व परिवारजनो ने आरोप लगाया कि पुलिस निष्पक्षता से काम नहीं कर रही है यह बहुत विचारणीय हे प्राथी ने आवेदन कि प्रति पुलिस अधीक्षक मन्दसौर,एस डी ओ पुलिस गरोठ को भी दी है, थाना प्रभारी रमेशचंद डांगी ने कहा कि में एक बार फिर स्वयं अपनी निगरानी में जांच करता हूं हम भी चाहते हैं कि घटना का पर्दाफाश हो ओर चोर पकड़ा जावे ।आवेदन देने वालों में वरिष्ठ भाजपा नेता पुर्व भाजपा मण्डल अध्यक्ष डा आनंद जैन,सुरजमल हरसोला,डा भारिल्ल,ललीत जैन रविन्द्र हरसोला,जम्बु जैन ,पार्षद योगिता ठोरा रजनी कोरिया, पंकज हरसोला,मनीष हरसोला,पुनम जैन,अजय जैन पराग टोंग्या,अक्षत जैन,सुनील माली,अनिल नाहर पत्रकार, अशोक राठौर पत्रकार सत्यनारायण बैरागी पत्रकार सहित अनेक गणमान्य नागरिक व व्यवसाई उपस्थित थे।

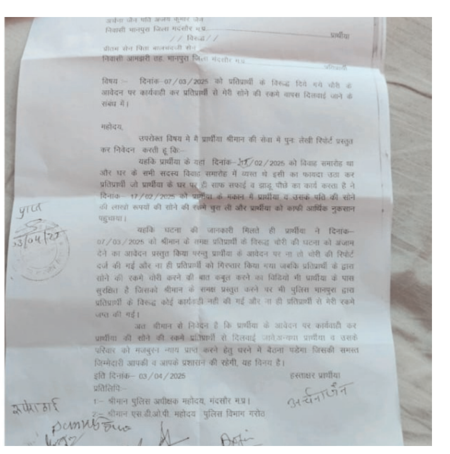

म्यांमार भूकंप: मुसीबत में सहारा बनी भारतीय टीम, लोग कर रहे धन्यवाद

म्यांमार में गत शुक्रवार को 7.7 तीव्रता का भूकंप आने और उसके बाद मदद को पहुंची भारतीय टीम विपरीत परिस्थितियों में राहत एवं बचाव कार्य को अंजाम तो दे ही रही है; साथ ही स्थानीय लोगों की भावनाओं का सम्मान कर उनका दिल भी जीत रही है। इसी का उदाहरण मांडले में मलबे से एक शव को निकालते समय देखने को मिला। मलबे में फंसे शव को देखकर प्रतीत होता था कि महिला और उसका बच्चा उस समय भूकंप की चपेट में आ गए जब वे नमाज़ पढ़ रहे थे। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के कर्मियों ने पूर्व शाही राजधानी मांडले में स्ट्रीट 86ए के पास इस आपदा स्थल पर स्थानीय लोगों की भावनाओं का सम्मान करते हुए शव निकालने से कदम पीछे खींच लिए।

NDRF के एक सदस्य ने ताया, ''लेकिन समय गुजरने के साथ ही शव सड़ने लगा था। परिजनों को एहसास हुआ कि शव को पूरी तरह से निकालने के लिए उनके पास विशेषज्ञता का अभाव है, इसलिए वे हिचकिचाने लगे। उनकी शुरुआती अनिच्छा बाद में अपील में बदल गई। उन्होंने बताया कि हृष्ठक्र्न कर्मियों ने अपना कार्य पुन: शुरू किया, महिला के शव को सावधानीपूर्वक बाहर निकाला तथा नमाज़ की उसकी अंतिम मुद्रा की गरिमा को बनाए रखा। मौके पर मौजूद एनडीआरएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ''जो लोग मदद स्वीकार करने में झिझक रहे थे, अब वे आभार जताते थक नहीं रहे हैं। म्यांमार में NDRF खोज एवं बचाव अभियान दल के उप टीम लीडर डिप्टी कमांडर कुणाल तिवारी ने बताया कि टीम को शव प्रबंधन में प्रशिक्षित किया गया है। आदम हुसैन (65) ने बताया कि भूकंप उस समय आया जब मुस्लिम पवित्र महीने रमजान के अंतिम जुमे (शुक्रवार) पर अलविदा की नमाज अदा कर रहे थे। राहत और बचाव कार्यों के लिए मांडले शहर को चार सेक्टरों- अल्फा, ब्रावो, चार्ली और डेल्टा में बांटा गया है। स्थानीय अधिकारियों ने डेल्टा को भारत को आवंटित किया है, जबकि अन्य तीन सेक्टरों को चीन, रूस और म्यांमा अग्निशमन सेवा विभाग द्वारा संभाला जा रहा है। एनडीआरएफ टीम ने मांडले में आवंटित 15 कार्यस्थलों में से 11 पर अभियान शुरू किया है और अब तक लगभग 30 शवों को निकाला है। हुसैन ने कहा, ''हम भारत द्वारा किए गए प्रयासों से बहुत संतुष्ट हैं।

मेरी बेटी, जो गंभीर रूप से घायल हो गई थी, उसका भारतीय सेना द्वारा स्थापित फील्ड अस्पताल में सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया गया है। बुजुर्ग व्यक्ति ने भावुक होकर भारतीय बचावकर्मियों की प्रशंसा की। भारतीय सेना ने शहर में एक फील्ड अस्पताल भी स्थापित किया है।

इसके संचालन के पहले दो दिनों में लगभग 200 रोगियों का इलाज किया गया है, जिनमें से 34 को आगे की देखभाल के लिए भर्ती कराया गया है। साठ पैरा फील्ड अस्पताल के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल जगनीत गिल ने बताया, ''स्थानीय लोग अस्पताल के बारे में जानने के बाद से ही यहां आ रहे हैं।

भूकंप पीड़ितों के अलावा अन्य लोग भी इलाज के लिए आ रहे हैं और हम खुशी-खुशी उनका इलाज कर रहे हैं। स्थानीय निवासी 25 वर्षीय उमर मलिक ने कहा, ''भारतीय हमारी मदद कर रहे हैं। हम मलबे में अपने परिवार के सदस्यों की तलाश कर रहे हैं। इस कठिन समय में हमारी सहायता करने के लिए हम भारतीयों के आभारी हैं। म्यांमार और उसके पड़ोसी थाईलैंड में भूकंप गत शुक्रवार (रमजान महीने के आखिरी जुमे) को आया था और अकेले म्यांमा में भूकंप से 3000 से अधिक लोगों की मौत हुई है।

चीनी नागरिकों से शारीरिक संबंध बनाने पर बैन

सरकार का कर्मचारियों के लिए नया नियम

इंटरनेशनल डेस्क. अमेरिकी सरकार ने चीन में तैनात अपने सरकारी अधिकारियों, उनके परिवारों और सुरक्षा मंजूरी प्राप्त ठेकेदारों के लिए एक नया सख्त नियम लागू किया है। अब वे किसी भी चीनी नागरिक के साथ प्रेम संबंध या शारीरिक संबंध नहीं बना सकेंगे। यह नीति जनवरी में तत्कालीन अमेरिकी राजदूत निकोलस बर्न्स द्वारा लागू की गई थी।

कहां लागू होगा यह प्रतिबंध?

यह नियम बीजिंग स्थित अमेरिकी एंबेसी और ग्वांगझू, शंघाई, शेनयांग, वुहान और हांगकांग के वाणिज्य दूतावासों में लागू होगा।

पहले से संबंध होने वालों को छूट?

अगर किसी अमेरिकी अधिकारी का पहले से किसी चीनी नागरिक से संबंध है, तो वे छूट के लिए आवेदन कर सकते हैं। लेकिन अगर उनका आवेदन अस्वीकार हो जाता है, तो उन्हें या तो अपना संबंध खत्म करना होगा या नौकरी छोड़नी होगी।

क्यों लगाया गया यह प्रतिबंध?

अमेरिकी सरकार को डर है कि चीन अपनी खुफिया एजेंसियों के जरिए अमेरिकी अधिकारियों से गोपनीय जानकारी हासिल करने की कोशिश कर सकता है। ऐसा पहले भी हुआ है, जब एक अमेरिकी मरीन को सोवियत संघ की महिला जासूस ने प्रेम जाल में फंसाया था। अमेरिका को लगता है कि चीन भी हनीपॉट नामक इसी रणनीति का इस्तेमाल कर रहा है, जिसमें आकर्षक पुरुषों और महिलाओं को जासूसी के लिए भेजा जाता है।

पहले भी था नियम, अब और कड़ा हुआ

पहले, चीन में तैनात अमेरिकी अधिकारियों को अपने चीनी नागरिकों से करीबी संपर्क की जानकारी अपने वरिष्ठ अधिकारियों को देने की जरूरत होती थी। लेकिन अब इस पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। अमेरिकी अधिकारियों को यह जानकारी जनवरी में मौखिक और इलेक्ट्रॉनिक रूप से दी गई, हालांकि अभी तक इसकी कोई सार्वजनिक घोषणा नहीं की गई है।

ट्रंप के नए टैरिफ से भारत को क्या मिल सकता है फायदा

यहां जानें पूरी जानकारी

नेशनल डेस्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लागू किए गए नए 'पारस्परिक टैरिफ' का दुनिया की अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ने की संभावना है। हालांकि इन टैरिफ के बारे में पहले जितनी चिंता जताई जा रही थी उससे कम असर दिखाई दे रहा है जिसके कारण कई देशों ने राहत की सांस ली है। जहां कुछ देशों के लिए यह निर्णय सजा जैसा साबित हो सकता है वहीं कुछ के लिए यह अवसर भी बन सकता है। भारत में इस पर मिश्रित प्रतिक्रिया सामने आ रही है। कुछ क्षेत्रों को फायदा हो सकता है जबकि कुछ पर विपरीत असर पड़ सकता है।

भारत को मिल सकता है फायदा

? भारत के लिए सबसे बड़ा लाभ कपड़ा उद्योग को हो सकता है। अमेरिका द्वारा चीन और बांग्लादेश से आयातित कपड़ों पर अधिक टैरिफ लगाए जाने से भारतीय कपड़े अपेक्षाकृत सस्ते हो जाएंगे जिससे भारत के उत्पादों की मांग बढ़ सकती है।

इसके अलावा भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यातकों को भी फायदा हो सकता है क्योंकि वियतनाम जैसे देशों पर उच्च टैरिफ लगाए जाने के बाद व्यापार भारत की ओर बढ़ सकता है।

भारत की दवा उद्योग को भी इस निर्णय से राहत मिली है क्योंकि दवाओं पर इस टैरिफ का कोई असर नहीं पड़ेगा। भारत से हर साल लगभग नौ अरब डॉलर की दवा अमेरिका को निर्यात होती है जो देश का सबसे बड़ा औद्योगिक निर्यात क्षेत्र है।

अमेरिका के टैरिफ से चीन और थाईलैंड से आयात होने वाली मशीनरी, ऑटो पार्ट्स और खिलौनों पर असर पड़ने की संभावना है। अगर भारत सही रणनीति अपनाता है तो इन क्षेत्रों में भी वह एक विकल्प बन सकता है।

भारत को होने वाली समस्याएं

हालांकि कुछ क्षेत्रों को नुकसान भी हो सकता है। भारत हर साल लगभग 11 अरब डॉलर की ज्वैलरी अमेरिका को निर्यात करता है और इस सेक्टर का अमेरिका में 30त्न हिस्सा है। नए टैरिफ के तहत ज्वैलरी पर शुल्क मौजूदा 5-7 प्रतिशत से बढ़कर 27 प्रतिशत तक पहुंच सकता है जो भारत के लिए एक बड़ा झटका हो सकता है।

हालांकि आईटी क्षेत्र पर टैरिफ का प्रत्यक्ष असर नहीं पड़ेगा लेकिन अमेरिकी बाजार में मंदी और महंगाई की आशंका के कारण भारतीय आईटी कंपनियों को नुकसान हो सकता है। हाल ही में आईटी इंडेक्स में चार प्रतिशत की गिरावट देखी गई।

इसके अलावा भारतीय ऑटो एंसिलियरी कंपनियों को भी इस निर्णय से नुकसान हो सकता है।अमेरिका में भारतीय ऑटो पार्ट्स का 16 प्रतिशत निर्यात होता है और अब इन पर शुल्क 2.4 प्रतिशत से बढ़कर 25 प्रतिशत हो सकता है।

इसके अलावा डेयरी उत्पादों के निर्यात पर भी असर पड़ने की संभावना है। भारत के घी, मक्खन और दूध पाउडर महंगे हो सकते हैं जिससे इनकी बाजार हिस्सेदारी घट सकती है।

दुनिया के देशों की प्रतिक्रिया

ट्रंप टैरिफ के कारण अमेरिकी बाजारों में लगभग दो ट्रिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है। बड़ी कंपनियों जैसे एपल, नाइकी और वॉलमार्ट के शेयरों में भारी गिरावट देखी गई है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अपने देश की कंपनियों से आग्रह किया है कि वे अमेरिका में निवेश को स्थगित करें। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिका से वाहनों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है जो कनाडा-अमेरिका-मैक्सिको समझौते का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर लागू होगा। वहीं ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने कहा है कि उनका देश ट्रंप के इस कदम से खुद को बचाने के लिए सभी जरूरी उपाय करेगा। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने ट्रंप के इस कदम को 'सेल्फ गोल' करार दिया और कहा कि इससे अल्पावधि में अमेरिका को ही नुकसान होगा।

केंद्र सरकार की प्रतिक्रिया

भारत सरकार ने गुरुवार को बताया कि वाणिज्य मंत्रालय अमेरिका के नए टैरिफ आदेशों के प्रभावों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कर रहा है। सरकार अमेरिकी टैरिफ के निहितार्थों को समझने के बाद ही आगे की रणनीति तय करेगी।

अंत में कहा जा सकता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के नए टैरिफ का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर बड़ा असर पड़ सकता है। भारत के लिए जहां कुछ क्षेत्रों में अवसर हैं वहीं कुछ क्षेत्रों को नुकसान भी हो सकता है। सरकार और व्यापारिक संगठन अब इस पर नजर रखे हुए हैं और इससे निपटने के लिए रणनीति बनाने पर काम कर रहे हैं।

सच हो रहीं बाबा वेंगा की 2025 को लेकर डरावनी भविष्यवाणियां !

बताया कब होगा दुनिया का अंत होगा

मशहूर बल्गेरियाई भविष्यवक्ता बाबा वेंगा की 2025 को लेकर की गई कुछ भविष्यवाणियां सच होती दिख रही हैं। हाल ही में म्यांमार में आए भीषण भूकंप में 2,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है, और यह घटना उनकी उन भविष्यवाणियों से मेल खाती है, जिनमें उन्होंने विनाशकारी भूकंप की चेतावनी दी थी। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि वेंगा ने इस विशेष भूकंप का उल्लेख किया था या नहीं, लेकिन इस त्रासदी के बाद उनकी भविष्यवाणियों को लेकर बहस फिर से तेज हो गई है। बाबा वेंगा की भविष्यवाणियों के अनुसार, 2025 में दुनिया कई बड़े संकटों का सामना कर सकती है। कुछ प्रमुख चेतावनियां जो अब सच होती दिख रही हैं।

यूरोप में बड़े युद्ध की भविष्यवाणी

बाबा वेंगा ने भविष्यवाणी की थी कि 2025 में यूरोप एक बड़े युद्ध की चपेट में आएगा, जिससे महाद्वीप की जनसंख्या पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। मौजूदा रूस-यूक्रेन युद्ध और अन्य वैश्विक तनावों को देखते हुए, इस भविष्यवाणी को लेकर डर बढ़ रहा है।

वैश्विक आर्थिक संकट

2025 में वैश्विक स्तर पर आर्थिक अस्थिरता

और आर्थिक पतन की भविष्यवाणी की गई थी। मौजूदा समय में दुनिया भर में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक मंदी को देखते हुए, यह भविष्यवाणी भी सच होती दिख रही है।

मानवता के पतन की शुरुआत

बाबा वेंगा ने 2025 को मानवता के पतन की शुरुआत के रूप में भी देखा था। अगर मौजूदा वैश्विक हालातों को देखा जाए—युद्ध, जलवायु परिवर्तन, आर्थिक संकट तो कई लोग इसे इस भविष्यवाणी से जोड़कर देख रहे हैं। बाबा वेंगा की कई भविष्यवाणियां पहले भी सच हो चुकी हैं जैसे 9/11 आतंकी हमला, राजकुमारी डायना की मृत्यु और चीन का वैश्विक महाशक्ति बनना। अब, म्यांमार भूकंप और वैश्विक आर्थिक अस्थिरता को देखते हुए, यह सवाल उठ रहा है क्या 2025 वास्तव में बड़े बदलावों और संकटों का वर्ष साबित होगा?

भविष्य में क्या हो सकता है? वेंगा की टाइमलाइन

बाबा वेंगा की भविष्यवाणियों के अनुसार, आने वाले वर्षों में दुनिया बड़े बदलावों से गुजरेगी—

- 2028 = इंसान शुक्र ग्रह पर ऊर्जा स्रोत की खोज करेगा।
- 2033 = ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ेगा।
- 076 = दुनिया में साम्यवाद का प्रभाव बढ़ेगा।
- 2130 = मानवता पहली बार एलियंस के संपर्क में आएगी।
- 217 = धरती का बड़ा हिस्सा भयंकर सूखे से प्रभावित होगा।
- 3005 = पृथ्वी और मंगल ग्रह की सभ्यताओं के बीच युद्ध होगा।
- 3797 = पृथ्वी इंसानों के रहने योग्य नहीं रहेगी, और मानवता अन्य ग्रहों की ओर पलायन करेगी।
- 5079 = दुनिया का अंत होगा।

सोने-चांदी की कीमतों में भारी गिरावट, निवेशकों को बड़ा झटका!

इंटरनेशनल डेस्क. गुरुवार, 3 अप्रैल को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने और चांदी की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। चांदी की कीमत में 4000 रुपये से अधिक की गिरावट आई, जबकि सोने के दामों में भी जबरदस्त उतार-चढ़ाव देखने को मिला। आज सोने ने 91,423 रुपये प्रति 10 ग्राम के उच्चतम स्तर को छूने के बाद भारी गिरावट दर्ज की और यह 88,727 रुपये तक लुढ़क गया। हालांकि, फिलहाल यह 90,310 रुपये प्रति 10 ग्राम पर

कारोबार कर रहा है। चांदी की बात करें, तो इसकी कीमत आज 99,658 रुपये प्रति किलोग्राम के उच्चतम स्तर पर पहुंची थी। लेकिन इसके बाद इसमें भारी गिरावट आई और यह 93,875 रुपये तक गिर गया। फिलहाल चांदी 94,853 रुपये प्रति किलोग्राम पर बनी हुई है।

एक हफ्ते में 4000 रुपये से ज्यादा टूटी चांदी

पिछले हफ्ते 28 मार्च को चांदी की कीमत 1 लाख रुपये के पार चली गई थी। 27 मार्च को यह 1,01,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर तक पहुंची थी। लेकिन तब से इसमें लगातार गिरावट आ रही है। एक हफ्ते में चांदी के दाम 4,000 रुपये से अधिक गिर चुके हैं।

सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी

सोने की कीमतों में बीते कुछ दिनों से काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 28 मार्च से अब तक सोने की कीमतें 1000 रुपये से ज्यादा बढ़ चुकी थीं, लेकिन आज MCX पर इसमें भारी गिरावट दर्ज की गई।

सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट की वजह

विशेषज्ञों का मानना है कि इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का टैरिफ छूट देने का फैसला है। ट्रंप प्रशासन ने भारत से आयात होने वाले कुछ उत्पादों पर 27त्न का टैरिफ लगाया है

लेकिन सोने और चांदी को इससे बाहर रखा गया है। इसी कारण निवेशकों में अस्थिरता देखी गई और दाम गिर गए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569